जबलपुर, कटनी, भोपाल, मंडला, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

यश भारत एप्प डाउनलोड करें

Download on the App Store | GET IT ON Google Play

● वर्ष- 20 अंक-281 ● जबलपुर ● शनिवार, 14 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 4 ● विक्रम संवत् 2083

जीवन में बदलाव स्वाभाविक है। इसे अपनाना सीखो, लड़ना नहीं।

जनजाति गौरव दिवसः जबलपुर पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

भगवान बिरसा मुंडा को नमन कर स्वच्छता कर्मचारियों का किया सम्मान

जबलपुर (यश भारत)। *जनजाति गौरव दिवस के पावन अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संस्कारधानी जबलपुर आगमन हुआ। डुमना एयरपोर्ट पर जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। एयरपोर्ट पर स्कूली बच्चों से आत्मीय मुलाकात के पश्चात मुख्यमंत्री सीधे अधारताल स्थित भगवान बिरसा मुंडा के मूर्ति स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।*

गरिमापूर्ण उपस्थिति और अगवानी

डुमना एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री की अगवानी करने वालों में सांसद आशीष दुबे, विधायक सुशील तिवारी 'इंदु', नीरज सिंह, डॉ. अभिलाष पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोटिया, मप्र तेली घानी बोर्ड के अध्यक्ष रविकरण साहू, जेडीए



मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

अध्यक्ष संदीप जैन, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, दिव्यांगजन प्रकोष्ठ अध्यक्ष संदीप रजक सहित नीलेश अवस्थी, पंकज दुबे, रंजीत पटेल व बलराम यादव प्रमुख रूप से शामिल रहे। इस दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों में संभागायुक्त धनंजय सिंह, आईजी प्रमोद वर्मा, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय भी मौजूद रहे।

मानस भवन में स्वच्छता कर्मचारियों का सम्मान

अधारताल में भगवान बिरसा मुंडा को नमन करने के उपरांत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नगर निगम द्वारा मानस भवन में आयोजित स्वच्छता कर्मचारियों के भव्य सम्मान समारोह में शामिल होने पहुंचे। समाचार लिखे जाने तक मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल पर पहुंच चुके थे और सफाई मित्रों का अभिनंदन कर रहे हैं।

गैरीसन ग्राउंड में मुख्य कार्यक्रम

ज्ञात हो कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर मुख्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम सदर स्थित गैरीसन ग्राउंड में आयोजित है, जहां मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभिन्न विकास कार्यों की सौगात देने के साथ ही सभा को संबोधित करेंगे। -विस्तृत पेज 8 पर

परिसीमन और महिला आरक्षण कानून पास करने विशेष सत्र बुला सकती है मोदी सरकार

केंद्रीय मंत्रियों का दावा पास करने के लिए पर्याप्त संख्या बल मौजूद



नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार संसद का एक छोटा विशेष सत्र बुलाने पर विचार कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य परिसीमन और बहुप्रतीक्षित महिला आरक्षण कानून से जुड़े विधेयकों को जल्द से जल्द पारित कराना है। यह संभावित सत्र आगामी शीतकालीन सत्र से पहले आयोजित किया हो सकता है, जो 30 नवंबर या 4 दिसंबर को शुरू होने की संभावना है।बीजेपी सूत्रों के अनुसार, मोदी सरकार के पास अभी भी एक छोटा विशेष सत्र आयोजित करने के लिए पर्याप्त समय है। एक वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री ने हाल ही में संकेत दिया था कि विधायी पैकेज को पारित करने के लिए दो विकल्प हैं.....या एक विशेष सत्र में या फिर शीतकालीन सत्र में पारित कराया जाएं। हालांकि, पहले बीजेपी के सहयोगी दलों को संकेत दिया गया था कि इस शीतकालीन सत्र में पारित करने की अधिक संभावना है। इन विधेयकों को पारित कराना मोदी सरकार के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, खासकर महिला आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले लागू करने की दिशा में आखिरी मौका हो सकता है। 2029 में ही लोकसभा चुनाव होने हैं। इस विधायी पैकेज में एक संविधान संशोधन विधेयक प्रमुख है, जो कि परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए एक जटिल संख्याबल की जरुरत होती है। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में अलग-अलग पारित करना होता है, जिसके लिए कुल सदस्यता के बहुमत के साथ-साथ मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई समर्थन की अनिवार्य शर्त होती है।

पुल की रेलिंग तोड़कर नीचे गिरी बस, महिला की मौत, 20 घायल

छत्रपति संभाजीनगर, एजेंसी। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में तेज रफ्तार निजी बस पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरी। हादसे में एक महिला यात्री की मौत हो गई, जबकि 20 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस और बचाव दल की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। इससे पहले अक्टूबर में महाराष्ट्र के बीड जिले के माजलगांव तालुका में एसटी बस और कार की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई थी। कार सवार श्रद्धालु तुलजापुर दर्शन के लिए जा रहे थे। वहीं नवी मुंबई में भी बस का ब्रेक फेल होने से तीन रिक्शा और तीन कारों से टक्कर हो गई थी, जिसमें नौ लोग घायल हुए थे। लगातार हो रहे बस हादसों ने यात्री सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं।

अमेरिका में तकनीकी खराबी से सात हजार उड़ानें प्रभावित

वॉशिंगटन, एजेंसी। *अमेरिका में टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम में गंभीर तकनीकी खराबी के कारण हवाई यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) को देशभर में उड़ानों पर अस्थायी रोक यानी ग्राउंड स्टॉप लागू करना पड़ा। इस व्यवधान से करीब सात हजार उड़ानें देरी से चलीं या रद्द करनी पड़ीं। शुरुआती जांच में साइबर हमले या खतरनाक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका के संकेत नहीं मिले हैं।*



होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी मार्कवेन मुलिन ने कहा कि अब तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे साइबर हमले की आशंका साबित हो। प्रभावित सिस्टम में संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि या अनधिकृत प्रवेश के संकेत भी नहीं मिले। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच जारी है और तकनीकी खराबी का वास्तविक कारण अभी सामने नहीं आया है। परिवहन मंत्री सीन डफी के मुताबिक, स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 3:36 बजे एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटरों और टर्मिनल रडार सुविधाओं में रडार और संचार प्रणालियां अस्थिर हो गई थीं। पुराने एनालॉग उपकरण डेटा का अत्यधिक दबाव नहीं संभाल सके, जिससे सूचना के आदान-प्रदान में गड़बड़ी हुई। उनके अनुसार, नए इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) स्विच सामान्य रूप से काम करते रहे। ग्राउंड स्टॉप लागू होने के समय तीन हजार पांच सौ से अधिक विमान हवा में थे। अधिकारियों ने सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू कर सभी विमानों की सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित की। मेडिकल इमरजेंसी, जरूरी दवाओं की ढुलाई और कानून प्रवर्तन से जुड़ी उड़ानों को छूट दी गई। एफएए ने बाद में बताया कि सभी विमानों का पता लगा लिया गया है। फ्लाइट ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म फ्लाइटअवेयर के आंकड़ों के अनुसार, करीब सात हजार उड़ानें प्रभावित हुईं। एयरलाइंस ने यात्रियों को अपनी उड़ानों की स्थिति जांचने की सलाह दी।

रामलीला मैदान में प्रदर्शन के लिए 50 हजार लोगों की सीमा का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के रामलीला मैदान में धरना-प्रदर्शन, रैली और जनसभाओं के आयोजन के लिए नए नियम लागू किए जा सकते हैं। दिल्ली पुलिस ने आयोजनों को व्यवस्थित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का मसौदा तैयार किया है। इसके तहत एक कार्यक्रम में अधिकतम 50 हजार लोगों को शामिल होने की अनुमति देने का प्रस्ताव है। साथ ही आयोजन का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित करने की बात कही गई है। मसौदे के अनुसार, हर कार्यक्रम में भीड़ की वास्तविक संख्या संबंधित सक्षम अधिकारी तय करेंगे। इसके लिए आयोजन की प्रकृति, संभावित भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था का आकलन किया जाएगा। हालांकि, किसी भी स्थिति में प्रस्तावित 50 हजार की अधिकतम सीमा से अधिक लोगों को जुटाने की अनुमति नहीं होगी। नए नियमों के तहत आयोजकों को कार्यक्रम की तारीख से कम से कम 10 दिन पहले अनुमति के लिए आवेदन करना होगा।

खरगोन और खंडवा में भूकंप के झटके रिक्टर स्केल पर 4.5 रही तीव्रता



नई दिल्ली, एजेंसी। मध्यप्रदेश के खरगोन, खंडवा और आसपास के इलाकों में शनिवार सुबह अचानक भूकंप के झटके महसूस किए जाने से लोगों में हड़कंप मच गया। सुबह के समय धरती में हुए इस कंपन के कारण कई लोग घबराकर अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, 14 नवंबर 2026 को सुबह ठीक 9 बजकर 15 मिनट 28 सेकंड पर इस भूकंप को रिकॉर्ड किया गया। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 4.5 मापी गई है, जिसे मध्यम श्रेणी का माना जाता है। भूकंप की इस घटना के बाद पूरे निमाड़ क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया और लोग एक-दूसरे को फोन कर कुशलक्षेम पूछते नजर आए।राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र द्वारा साझा की गई तकनीकी जानकारी के अनुसार, इस भूकंप का केंद्र खरगोन क्षेत्र में जमीन की सतह से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। वैज्ञानिकों ने भूकंप के केंद्र की सटीक भौगोलिक स्थिति 21.59 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 75.552 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज की है। भौगोलिक रूप से यह स्थान धार जिले के धामनोद से लगभग 69 किलोमीटर दक्षिण में स्थित बताया गया है। इसके अलावा, यह केंद्र प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर से करीब 129 किलोमीटर दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम दिशा में दर्ज किया गया है।भू-गर्भ विशेषज्ञों के मुताबिक, भूकंप का केंद्र जमीन से महज 10 किलोमीटर नीचे यानी काफी कम गहराई पर होने के कारण इसका असर सतह पर स्पष्ट रूप से महसूस हुआ।

ईगल बैटरी



सोलर इनवर्टर बैटरी

लाईफ मैडीसिटी हॉस्पिटल के सामने आगा चौक

मो.न. 9200792000

महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामला

छह राज्यों में सीबीआई की ताबड़तोड़ छापेमारी, 33 ठिकानों पर दबिश



नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बहुचर्चित महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप घोटाले के खिलाफ देशव्यापी स्तर पर अब तक की सबसे बड़ी और निर्णायक कार्रवाई को अंजाम दिया है। जांच एजेंसी ने ओमान से प्रत्यर्पित किए गए मुख्य आरोपी और ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर से पूछताछ के दौरान मिले अहम सुरागों के आधार पर छह राज्यों के कुल 33 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है। इस बहुराज्यीय कार्रवाई से अवैध सट्टेबाजी सिंडिकेट से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। सीबीआई अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, यह व्यापक छापेमारी अमृतसर, दिल्ली, नागौर, धौलपुर, भोपाल, रायपुर, दुर्ग, इंदौर, अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, मुंबई और नागपुर जैसे देश के प्रमुख शहरों में स्थित ठिकानों पर की गई है। जांच के दौरान कई स्थानों पर अवैध रूप से संचालित हो रहे लाइव बेटिंग और जुए के पैनल पकड़े गए, जिन्हें केंद्रीय टीम ने तुरंत प्रभाव से बंद करवा दिया है। छापों के दौरान भारी मात्रा में डिजिटल डिवाइस, मोबाइल फोन, लैपटॉप और कई गोपनीय दस्तावेज बरामद किए गए हैं।प्रारंभिक तकनीकी जांच में यह खुलासा हुआ है कि इस अवैध नेटवर्क में पैसों के भारी-भरकम लेन-देन के लिए 'म्यूल बैंक खातों' (दूसरों के नाम पर किराए पर या फर्जी तरीके से खोले गए बैंक खाते) और हवाला नेटवर्क का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा था।

आईफोन और बाइक के लिए 13 वर्षीय लड़की ने नाना की हत्या कराई

कोच्चि, एजेंसी। केरल के करुवट्टा में 13 साल की लड़की ने अपने तीन नाबालिग दोस्तों के साथ मिलकर नाना की हत्या की साजिश रची। आरोप है कि आईफोन और दोस्त के लिए मोटरसाइकिल खरीदने के लिए पैसे जुटाने के मकसद से वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने किशोर न्याय बोर्ड में 740 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। आरोपियों में दो की उम्र 17 साल, एक की 16 साल और लड़की की उम्र 13 साल है। पुलिस के अनुसार, तीनों लड़के घर में घुसे और बुजुर्ग का मुंह कपड़े से बंद कर हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद मारपीट कर उनकी हत्या कर दी और करीब 36 ग्राम सोना चुरा लिया। जांच में सामने आया कि वारदात की योजना दो महीने पहले बनाई गई थी। आरोपी इंस्टाग्राम के जरिए संपर्क में थे।

दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में मेरठ तीसरे स्थान पर



मेरठ(ईएमएस)। वायु गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है, जिससे शहर की हवा धूल और धुएं के गुबार में सिमट गई है। पिछले 72 घंटे से हवा की रफ्तार लगभग शून्य है और वातावरण में अत्यधिक आद्रता है, जिसके चलते प्रदूषक तत्व कहीं आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। शुक्रवार को दिनभर धूप गायब रही और आसमान में धुंध की घनी चादर छाई रही। रात नौ बजे एक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म पर मेरठ का रियल टाइम एक्यूआई 540 का स्तर छू गया। इस आंकड़े के साथ मेरठ दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में तीसरे नंबर पर रहा। इसी समय रोहतक और सिरसा क्रमशः 546 और 544 के एक्यूआई के साथ दुनिया के टॉप-2 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में रिकॉर्ड किए गए। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के पोर्टल पर भी रात नौ बजे एमआईईटी केंद्र का एक्यूआई सर्वाधिक 337 दर्ज हुआ। शहर के पांचों निगरानी केंद्रों पर पीएम-10 और पीएम-2.5 प्रदूषक 350 से 500 के बीच दर्ज किए गए, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक स्तर है। तीन दिन से बनी धुंध-धुएं की चादर के कारण लोग सांस लेने में परेशानी महसूस कर रहे हैं। अस्थमा से पीड़ित मरीजों की स्थिति बिगड़ रही है, जबकि स्वस्थ व्यक्तियों को भी गले में खराश की शिकायत हो रही है। इस प्लेटफॉर्म ने मेरठ की हवा को बेहद खतरनाक मानते हुए लोगों को मास्क लगाने और अत्यधिक समय तक सीधे खुले में न रहने की सलाह दी है।मेरठ में हवा की गति लगभग शून्य होने और अधिकतम-न्यूनतम आद्रता का स्तर 96 एवं 69 फीसदी होने से शहर से निकलने वाले धूल-धुएं सहित सभी प्रदूषक आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं।





विशुद्ध हेल्थ केयर
माइक्रोबायोलॉजी एवं पैथोलॉजी लैब
• ब्लडप्रेशर • डाइबिटीज • अस्थमा
• हृदय एवं थायराइड रोग हेतु समर्पित सेंटर
डॉ. अंकित सेठ
एम.डी., कंसल्टेंट फिजिशियन, डायबेटोलॉजिस्ट
डॉ. रीति सेठ
कंसल्टेंट माइक्रोबायोलॉजिस्ट
पता- 2365, राईट टाउन, P & T गेट नं. 4 के पास, मदन महल स्टेशन रोड, जबलपुर
Ph.: 0761-4035454, M: 9752000122



यमुना एक्सप्रेसवे पर चलती बस में लगी आग, 40 यात्री सुरक्षित

मथुरा, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे पर राया के पास दिल्ली से छतरपुर जा रही एक निजी बस में अचानक आग लग गई। माइलस्टोन 110 के पास चलती बस आग की लपटों से घिर गई। आग देखकर यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए बस को सड़क किनारे रोक दिया। इसके बाद बस में सवार करीब 40 यात्रियों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। बस में आग लगने से यात्रियों का अधिकांश सामान जलकर राख हो गया। घटना की सूचना मिलते ही यमुना एक्सप्रेसवे की दमकल टीम मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे के बाद बस पूरी तरह आग की चपेट में आ गई थी। चालक जितेंद्र ने बताया कि बस खजुराहो ट्रैवल्स की थी और दिल्ली के कश्मीरी गेट से यात्रियों को लेकर मध्य प्रदेश के छतरपुर जा रही थी। वह मध्य प्रदेश के नौगांव का निवासी है। आग लगते ही उसने बस रोक दी, जिससे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकलने का मौका मिल गया। पुलिस के देर से पहुंचने को लेकर यात्रियों में आक्रोश रहा। हालांकि, राहत की बात रही कि हादसे में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है।

कार में लगी आग, तीनों सवारों ने कूदकर बचाई जान

सिवनी-मंडला मार्ग पर ग्राम छुई के पास हुआ हादसा, मारुति इग्निस देखते ही देखते जलकर हुई खाक



सिवनी यश भारत। *सिवनी जिले के कान्हीवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिवनी-मंडला मार्ग पर ग्राम छुई के पास शुक्रवार रात एक चलती कार में अचानक भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से मारुति सुजुकी इग्निस कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई।*

गनीमत रही कि कार में सवार तीनों लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीन लोग मारुति सुजुकी इग्निस कार में सवार होकर सिवनी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान ग्राम छुई के समीप अचानक कार के अंदर से धुआं उठने लगा। कार में धुआं भरता देख उसमें सवार लोगों को खतरे का अहसास हुआ और उन्होंने बिना देर किए कार से बाहर निकलना ही उचित समझा। तीनों के सुरक्षित बाहर निकलने के कुछ ही देर बाद कार में आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी कार आग की लपटों से घिर गई। सड़क से गुजर रहे लोगों ने कार को जलते देखा तो मौके पर भीड़ जमा हो गई। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही समय में कार का अधिकांश हिस्सा जल गया और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के चलते मार्ग पर कुछ समय के लिए लोगों की आवाजाही भी प्रभावित रही। घटना की सूचना मिलने पर कान्हीवाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए जांच शुरू की। प्रारंभिक तौर पर आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। तकनीकी खराबी, शॉर्ट सर्किट अथवा किसी अन्य कारण से आग लगने की आशंका के पहलुओं की जांच की जा रही है। इस घटना में सबसे राहत की बात यह रही कि कार में सवार तीनों लोगों ने समय रहते वाहन से बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। यदि आग लगने के दौरान वे कार के अंदर ही रह जाते तो बड़ा हादसा हो सकता था।

पिछोर बनेगा मध्यप्रदेश का नया जिला ?

शिवपुरी, एजेंसी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शिवपुरी जिले के पिछोर में लाड़ली बहना योजना की 42वीं किस्त जारी की। सिंगल क्लिक के माध्यम से एक करोड़ 24 लाख से अधिक महिलाओं के खातों में 1,831 करोड़ 77 लाख रुपये की राशि अंतरित की गई। इसके साथ ही स्व-सहायता समूहों के लिए 200 करोड़ रुपये भी जारी किए गए। कार्यक्रम में पिछोर को जिला बनाने की मांग प्रमुखता से उठी। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग बैनर और पोस्टर लेकर पहुंचे थे। पिछोर विधायक प्रीतम लोधी ने भी मंच से मुख्यमंत्री के सामने जिला बनाने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोग लंबे समय से इस मांग को उठा रहे हैं और अब इस पर निर्णय होना चाहिए। इस पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में परिसीमन के बाद नए जिले और संभाग बनाने की संभावनाओं पर विचार किया जा सकेगा। पिछोर को जिला बनाने के संबंध में भी वर्ष 2027 में परिसीमन के बाद निर्णय लिया जाएगा। मुख्यमंत्री के इस बयान से फिलहाल तत्काल जिला बनाने की उम्मीद पर विराम लग गया है। पिछोर को जिला बनाने की मांग लंबे समय से चली आ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में भी इस संबंध में घोषणा की गई थी। इसके बाद से स्थानीय लोग लगातार मांग कर रहे हैं। इस बार भी लोगों ने कार्यक्रम में बैनर और पोस्टर के माध्यम से अपनी मांग मुख्यमंत्री तक पहुंचाई। विधायक प्रीतम लोधी ने मुख्यमंत्री के बयान के बाद कहा कि भाजपा में 'प्राण जाए पर वचन न जाए' की परंपरा रही है।

चार महीने में लाखों की चोरी
बघराजी में बेखौफ चोरों का आतंक

घरों से जेवर-नकदी के बाद अब मवेशियों पर भी हाथ साफ

जबलपुर यशभारत।

जिले के बघराजी क्षेत्र में चोरों के बढ़ते हौसलों ने ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है। हालात यह हैं कि अब ग्रामीणों को न दिन में घर सुरक्षित लग रहे हैं और न ही रात में। ग्रामीणों के मुताबिक बीते चार महीनों के दौरान क्षेत्र में चोरी की कई वारदातें सामने आ चुकी हैं। घरों से लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी होने के साथ अब चोर मवेशियों को भी निशाना बनाने लगे हैं। लगातार हो रही घटनाओं के बीच ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस अब तक किसी भी बड़ी वारदात का खुलासा नहीं कर सकी है।

यहां पर हुई चोरियां

चोरों ने हाल ही में श्यामलाल गडारी के घर को निशाना बनाते हुए करीब 8 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। वहीं, तीन दिन पहले शिवचरण पटेल के यहां से रात के अंधेरे में 13 बकरियां चोरी कर ली गईं। इसके अलावा अनु गोटिया के यहां से करीब 2 लाख रुपये और रूपलाल सोनी के यहां से लगभग 3 लाख रुपये की चोरी की वारदात सामने आ चुकी है। इन घटनाओं ने साफ कर दिया है कि चोरों के निशाने पर अब क्षेत्र के घरों के साथ ग्रामीणों की आजीविका का साधन बने मवेशी भी हैं।



दिनदहाड़े वारदात, चोरों को नहीं रहा पुलिस का खौफ

बघराजी में चोरी की घटनाएं अब रात के अंधेरे तक सीमित नहीं हैं। ग्रामीण श्यामलाल धनगर के यहां दोपहर करीब 2 बजे चोरी की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिनदहाड़े घर में चोरी होना इस बात का संकेत है कि बदमाशों में पुलिस कार्रवाई का भय नजर नहीं आ रहा। हालात ऐसे हो गए हैं कि ग्रामीण शादी-विवाह और रिश्तेदारी में जाने से भी कतराने लगे हैं। लोगों को आशंका रहती है कि घर सूना छोड़ते ही चोर उनकी मेहनत की कमाई समेट ले जाएंगे।

पुलिस की कार्यप्रणाली से नाराजगी, आंदोलन की चेतावनी

लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर ग्रामीणों में पुलिस के प्रति असंतोष बढ़ रहा है। लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में चोरी की वारदातों पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है। ग्रामीणों ने पुलिस की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि आम लोगों की वर्षों की मेहनत की कमाई चोरी हो रही है, लेकिन आरोपियों तक पहुंचने में अब तक सफलता नहीं मिल सकी है।ग्रामीणों ने मांग की है कि सभी चोरी की घटनाओं की गंभीरता से जांच कर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए, चोरी गया सामान और मवेशी बरामद किए जाएं तथा क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाई जाए। उनका कहना है कि यदि जल्द ही ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीण एकजुट होकर पुलिस के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे। अब देखना यह है कि बघराजी में लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों पर पुलिस कब अंकुश लगा पाती है और ग्रामीणों को भयमुक्त माहौल कब मिल पाता है।

ट्रेन में यात्रियों से वसूली कर रहे दो किन्नरों को आरपीएफ ने दबोचा

सिंगरौली इंटरसिटी में यात्रियों को कर रहे थे परेशान

जबलपुर यशभारत। ट्रेनों में यात्रियों को परेशान कर जबरन रुपए वसूलने और अवैध रूप से न्यूसेंस फैलाने वालों के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में आरपीएफजबलपुर की टीम ने सिंगरौली इंटरसिटी में यात्रियों से जबरन वसूली करने और उन्हें परेशान करने के आरोप में दो किन्नरों को पकड़ा है। इस संबंध में आरपीएफपोस्ट प्रभारी राजीव खरब ने बताया कि गाड़ी संख्या 11652 सिंगरौली इंटरसिटी में कटनी से जबलपुर के बीच विशेष अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान यात्रियों ने शिकायत की कि किन्नरों की वेशभूषा में कुछ लोग ट्रेन में यात्रियों को परेशान कर रहे हैं और जबरन पैसे मांग रहे हैं। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए आरपीएफटीम ने कार्रवाई शुरू की।

आउटर पर ट्रेन से उतरकर किया भगाने का प्रयास

इस दौरान ट्रेन की गति धीमी होने पर जबलपुर आउटर के पास दो आरोपियों ने ट्रेन से उतरकर भागने का प्रयास किया, लेकिन प्रधान आरक्षक केदारमल और आरक्षक हरिकेश दुबे ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को पकड़ लिया। इसके बाद उन्हें अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के लिए आरपीएफ पोस्ट जबलपुर लाया गया। यहां उप निरीक्षक राजकुमार चंदेल ने रेल अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की। पकड़े गए आरोपियों की पहचान माया किन्नर (28) और गुड़िया किन्नर (22), दोनों निवासी गायत्री नगर, थाना सिटी कोतवाली, जिला कटनी के रूप में हुई है। आरपीएफकी इस कार्रवाई से ट्रेनों में यात्रियों को परेशान कर जबरन वसूली करने वालों को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि इस तरह की गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

मृतक की पहचान में जुटी जीआरपी.प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर हुआ हादसा



जबलपुर यशभारत। रेलवे स्टेशन जबलपुर के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर ट्रेन की चपेट में आने से एक अज्ञात युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। जीआरपी थाना जबलपुर में पदस्थ प्रधान आरक्षक कौशल द्वारा मामले की जांच की जा रही है। जीआरपी के अनुसार मृतक की उम्र करीब 25 वर्ष, कद लगभग 5 फीट 10 इंच और रंग सांवला है। युवक ने सफेद रंग की टी-शर्ट और नीले रंग का लोअर पहन रखा था। उसके बाल काले तथा चेहरे पर हल्की दाढ़ी-मूंछ थी। युवक का शरीर इकहरा बताया गया है। जीआरपी मृतक के परिजनों और उसकी पहचान से जुड़े लोगों की तलाश कर रही है।

आज खरना, कल अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य

सोमवार को उदीयमान सूर्य की उपासना के साथ होगा छठ पर्व का समापन



जबलपुर,यशभारत।

लोक आस्था का महापर्व छठ अब अपने प्रमुख अनुष्ठानों की ओर बढ़ रहा है। पर्व के दूसरे दिन शनिवार को खरना का अनुष्ठान किया जाएगा। इसको लेकर छठ व्रतियों ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। दिनभर उपवास रखने के बाद शाम को व्रती गुड़ की खीर सहित पारंपरिक प्रसाद तैयार करेंगे और छठी मईया की पूजा-अर्चना कर प्रसाद ग्रहण करेंगे। खरना के साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा। छठ महापर्व के तीसरे दिन रविवार को व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। इसके लिए घाटों और तालाबों पर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। वहीं, पर्व के अंतिम दिन सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाएगा। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में शुद्धता, स्वच्छता और नियम-संयम का विशेष महत्व रहता है।

नई पीढ़ी भी परंपरा से जुड़ रही

छठ महापर्व को लेकर नई पीढ़ी में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। संस्कारधानी के ऐसे युवा, जो शिक्षा और रोजगार के सिलसिले में देश के अलग-अलग प्रदेशों में रह रहे हैं, पर्व मनाने के लिए अपने घर लौट आए हैं। खास बात यह है कि आधुनिक जीवनशैली के बीच पली-बढ़ी युवा पीढ़ी भी छठ की परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं से गहराई से जुड़ रही है। स्वच्छता और हाइजीन को महत्व देने वाले युवा छठ पर्व की शुद्धता और पवित्रता की परंपरा को भी अपना रहे हैं। पूजा के दौरान प्रसाद तैयार करने से लेकर रसोई, जल और पूजा स्थल की स्वच्छता तक का विशेष ध्यान रखा जाता है। यही वजह है कि नई पीढ़ी भी पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ इस महापर्व में भागीदारी निभा रही है।

अधारताल तालाब में टोकन से आवंटित हुईं बेदियां

छठ पूजा को लेकर अधारताल तालाब में नगर निगम की ओर से विशेष व्यवस्था की गई है। इस वर्ष पूजा के लिए बेदियों का आवंटन टोकन व्यवस्था के माध्यम से किया गया है, ताकि व्रतियों को पूजा स्थल मिलने में किसी तरह की परेशानी न हो और व्यवस्थाएं व्यवस्थित बनी रहें। इस दौरान उत्तर प्रदेश-बिहार महासंघ के संयोजक डॉ. राजेश जायसवाल, अध्यक्ष बनारसी यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमाकांत मिश्रा, बृजकिशोर सिंह, बिहारी और अवधेश शर्मा सहित महासंघ के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। महासंघ के पदाधिकारी भी घाटों पर व्यवस्थाएं सुचारू बनाने और श्रद्धालुओं को सहयोग देने में जुटे हुए हैं।

धर्म के नियंत्रण में हो धन का उपयोग, तभी सार्थक होगा जीवन : मुनि निष्कम्प सागर



जबलपुर,यशभारत। मनुष्य को अपने जीवन में धन और इच्छाओं पर धर्म, नीति और मर्यादा का नियंत्रण रखना चाहिए। जिस प्रकार नदी अपने किनारों के बीच बहकर लोगों के लिए जीवनदायिनी बनती है, उसी प्रकार नियंत्रित जीवन विकास और सफलता का आधार बनता है। यह विचार मुनि श्री निष्कम्प सागर जी ने विद्या वाटिका में आयोजित प्रवचन सभा में व्यक्त किए। मुनि श्री ने कहा कि धन का सबसे बड़ा सदुपयोग उसे दीन-दुखियों और जरूरतमंदों की सेवा में लगाना है। केवल धन संग्रह करते रहना और उसका उपयोग न करना व्यर्थ है। उन्होंने कहा कि धन को नदी की तरह सही दिशा देना जरूरी है। धर्म, नीति और न्याय के माध्यम से धन का उपयोग मानवता के कल्याण में होना चाहिए।



जन विश्वास अभियान के तहत भोपाल के अधिकारियों ने किया स्कूलों का निरीक्षण

जबलपुर,यशभारत। जन विश्वास अभियान के अंतर्गत लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के वरिष्ठ अधिकारियों ने जबलपुर जिले के सात शासकीय विद्यालयों का निरीक्षण किया। दल में संचालक बलवंत वर्मा एवं सहायक संचालक प्रयांश शर्मा शामिल रहे। अधिकारियों ने विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षण व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पीएम श्री शासकीय रानी दुर्गावती कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गंगानगर, महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बरेला एवं पाटन के विद्यालयों सहित सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरेला, नुनसर और सकरा के स्कूलों का अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय, पेयजल, स्वच्छता और खेल सुविधाओं की स्थिति देखी। निरीक्षण के दौरान प्राचार्यों एवं शिक्षकों को उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार लाने के निर्देश दिए गए। इस दौरान संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर संभाग घनश्याम सोनी, जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे सहित विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मनाली राष्ट्रीय साहसिक शिविर में प्रदेश का नेतृत्व रादुविवि को



जबलपुर यश भारत।भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा अटल बिहारी बाजपेई इंस्टिट्यूट ऑफ़ माउंटेनियरिंग एंड एलाइड स्पोर्ट मनाली हिमाचल प्रदेश द्वारा 12 नवंबर से आयोजित किए गए राष्ट्रीय साहसिक शिविर 12 से 21 नवम्बर में राष्ट्रीय सेवा योजना रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय की ओर डॉ. देवांशु गौतम के नेतृत्व में मध्य प्रदेश दल के 10 स्वयंसेवक मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करने रवाना हुए। दल को कुलपति प्रोफ राजेश कुमार वर्मा, रासेयो कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शोभराम मेहरा, जिला संगठक एन एस एस जबलपुर डॉ. आनंद सिंह राणा ने शुभकामनाएं देकर रवाना किया। राज्य दल प्रभारी डॉ. देवांशु गौतम ने बताया कि तथा मध्य प्रदेश दल के लिए 10 स्वयंसेवकों में आकांक्षा चडार (जबलपुर), मनीषा राजपूत (नरसिंहपुर), पिंकी सिंह राजपूत (कटनी), निशा बट्टी (छिंदवाड़ा), वनिता झलके (पांढुर्ना), व छात्रों में अरविंद कुमार लोधी(जबलपुर), यशवर्धन सूर्यवंशी(गाडरवारा), सौरभ पड़वार (मंडला), जय कुमार राहंगडाले (बालाघाट) आशीष पन्द्र? (सिवनी) का चयन हुआ है। प्रतिभागियों के चयन पर डॉ. शैलेश प्रसाद, रोशन प्रजापति, प्रशांत चापेकर, सुबेन्दु मन्ना, अमित शिवहरे, मौसमी गौतम, अभिलाष चौधरी, संजना विश्वकर्मा, अनुश्री श्रीवास्तव, खुशी सोनकर, ऐश्वर्य चक्रवर्ती आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

शहीद स्मारक में होगा मराठी साहित्य सम्मेलन

पुणे के नाट्यकर्मी योगेश सोमण होंगे शामिल



जबलपुर,यश भारत। पुणे में जनवरी 2027 में आयोजित होने वाले 100वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के तहत देश के विभिन्न शहरों में स्थानीय स्तर पर साहित्यिक आयोजन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जबलपुर में रविवार 15 नवंबर को एक दिवसीय मराठी साहित्य सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। महाराष्ट्र शिक्षण मंडल, बृहन्महाराष्ट्र मंडल और महाराष्ट्र व्यायामशाला के संयुक्त तत्वावधान में यह आयोजन शहीद स्मारक सभागृह में सुबह 10.30 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पुणे के प्रसिद्ध नाट्यकर्मी, सिने कलाकार और साहित्यकार योगेश सोमण विशेष रूप से शामिल होंगे। नगर के उद्यमी एवं साहित्यकार प्रशांत पोल सम्मेलनाध्यक्ष तथा अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ. जितेंद्र जामदार स्वागताध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस दौरान शहर के साहित्यकारों और साहित्यप्रेमियों की भी सहभागिता रहेगी। सम्मेलन में देश के प्रसिद्ध कवियों की कविताओं का वाचन और उन पर परिसंवाद होगा। इसके साथ ही मराठी भाषा के संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा, संबंधित कार्यकर्ताओं और शिक्षकों का सम्मान, मराठी नाट्यगीतों की प्रस्तुति तथा पुरस्कार वितरण भी किया जाएगा।

15 नवंबर को होगा भव्य योगाथॉन. योग के साथ रामायण की दिखेगी झलक

जबलपुर यशभारत। योग, स्वास्थ्य और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 15 नवंबर को माय योग आयुर्वेद संस्थान द्वारा विजय नगर स्थित अग्रसेन मंडपम में 'योगाथॉन 2026 ङ्क रामायण एक योग यात्रा' का आयोजन किया जाएगा। सुबह 8:15 से दोपहर 12 बजे तक आयोजित कार्यक्रम में सभी आयु वर्ग के लोग शामिल हो सकेंगे। इसमें सामूहिक योग, योग प्रतियोगिताएं, इस्कॉन का हरिनाम संकीर्तन और भक्ति संगीत आकर्षण रहेंगे। डॉ. अखिलेश गुमास्ता, दीपक बहरानी एवं डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव वक्ता होंगे। स्वास्थ्य जांच, हेल्दी ब्रेकफास्ट और पौधों का वितरण भी किया जाएगा। प्रवेश निःशुल्क रहेगा। पंजीयन ऑनलाइन किया जा सकता है।

भारतीय किसान संघ ने डीआरएम को सौंपा ज्ञापन

पौड़ी फाटक अस्थायी रूप से खोलने की मांग



जबलपुर यशभारत। भारतीय किसान संघ, महाकोशल प्रांत द्वारा शहपुरा-पाटन तहसील एवं आसपास के क्षेत्रों के हजारों मटर उत्पादक किसानों की गंभीर समस्या को लेकर कमल कुमार तलरेजा, मंडल रेल प्रबंधक,पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर को ज्ञापन सौंपा गया। किसान संघ ने मटर सीजन को देखते हुए वैकल्पिक मार्ग के रूप में बंद रेलवे क्रॉसिंग क्र. 301 पौड़ी फाटक को अस्थायी रूप से पुनः खोलने की मांग की है। प्रांत संगठन मंत्री तुलाराम ने बताया कि शहपुरा तहसील के 100 से अधिक गावों के मटर उत्पादक किसानों का अनुरोध पत्र किसान संघ को प्राप्त हुए हैं। ज्ञापन पत्र के साथ उन अनुरोध पत्रों की कॉपी डीआरएम, मुख्यमंत्री, सांसद, मंत्री, आयुक्त, कलेक्टर सभी को भेजी है। शीघ्र कार्यवाही के अभाव में हम किसान हित में अगला कदम शीघ्र घोषित करेंगे। प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख रूप से प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र सिंह पटेल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद कुमार चौधरी व प्रांत संगठन मंत्री तुलाराम जी शामिल रहे।

किसानों के सामने मटर मंडी पहुँचाने का संकट

भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र सिंह पटेल ने बताया कि वर्तमान में शहपुरा भिटौनी स्थित कैथरा फाटक (क्र. 302) पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य होना है, जिसे पूरा होने में 1 से 2 वर्ष का समय लग सकता है। जिसके कारण भोपाल ह्न-44 को जोड़ने वाला कैथरा मार्ग सभी प्रकार के वाहनों के लिए पूर्णतः बंद कर दिया गया है। इससे क्षेत्र के 150 से अधिक गाँवों के हजारों किसानों के सामने अपनी हरी मटर की फसल को कृषि उपज मंडी तक पहुँचाने का भारी संकट उत्पन्न हो गया है।

पौड़ी फाटक खोलने से सुगम होगा यातायात

किसान संघ ने मांग की है कि जनहित और कृषक हित को ध्यान में रखते हुए कैथरा फाटक के समीप ही पूर्व में बंद किए गए रेलवे क्रॉसिंग क्र. 301 पौड़ी फाटक को मटर सीजन के दौरान अस्थायी रूप से पुनः संचालित किया जाए।

पराली के नाम पर किसानों को परेशान किया तो सड़कों पर उतरेंगे अन्नदाता

नुनसर गांव में आंदोलन की बनी रणनीति



जबलपुर यशभारत। जिले की पाटन विधानसभा क्षेत्र के नुनसर में किसानों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें पराली प्रबंधन के नाम पर किसानों को प्रशासन द्वारा कथित रूप से अनावश्यक परेशान किए जाने पर नाराजगी जताई गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि किसानों का उत्पीड़न किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही किसानों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए जल्द ही बड़े आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने पर सहमति बनी। बैठक में किसानों ने कहा कि एक ओर पूरा देश दीपावली का पर्व मना रहा है, वहीं दूसरी ओर अन्नदाता पराली के उचित प्रबंधन को लेकर चिंता में है। किसान पहले से ही महंगाई, खाद-बीज की किल्लत, बिजली की समस्या और फसलों से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में पराली के नाम पर कार्रवाई और अनावश्यक दबाव किसानों की मुश्किलें और बढ़ा रहा है। किसानों का कहना था कि पराली प्रबंधन के लिए व्यावहारिक व्यवस्था और उचित संसाधन उपलब्ध कराने की जरूरत है, न कि किसानों को दंडात्मक कार्रवाई के नाम पर परेशान करने की। बैठक में चेतावनी दी गई कि यदि किसानों को परेशान करने का सिलसिला बंद नहीं हुआ तो वे अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे। किसानों ने स्पष्ट किया कि अब उनके सम्मान और अधिकारों की लड़ाई को लेकर जल्द ही व्यापक स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।



होली के दिन सीबीएसई ने रखे 12वीं के पांच विषयों के पेपर

2027 परीक्षा टाइम टेबल पर उठे सवाल

जबलपुर (यश भारत)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की वर्ष 2027 की बोर्ड परीक्षाओं का टाइम टेबल सामने आने के बाद से ही विवादों और चर्चाओं के केंद्र में आ गया है। बोर्ड द्वारा घोषित परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार आगामी 22 मार्च 2027 को, यानी मुख्य होली के दिन, कक्षा 12वीं के पांच महत्वपूर्ण विषयों की परीक्षाएं निर्धारित की गई हैं। इस प्रमुख पर्व के दिन परीक्षा होने के कारण विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के समक्ष असमंजस की स्थिति बन गई है।

बोर्ड के अगले निर्णय पर टिकी निगाहें

फिलहाल सीबीएसई की ओर से इस मामले में परीक्षा तिथियों में किसी भी प्रकार के संशोधन या बदलाव को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। हालांकि, बढ़ते विरोध और लगातार उठ रहे सवालों के बाद अब विद्यार्थियों और अभिभावकों की निगाहें बोर्ड के आगामी रुख और आधिकारिक आदेश पर टिकी हैं कि क्या इस आपत्ति को संज्ञान में लेते हुए टाइम टेबल में कोई फेरबदल किया जाता है या नहीं।

शिक्षक संगठनों और अभिभावकों की आपत्ति

त्योहार के दिन परीक्षा रखे जाने पर शिक्षक संगठनों और विभिन्न शैक्षणिक हल्कों ने गहरी आपत्ति जताई है। विरोध जताते हुए संगठनों का कहना है कि होली उत्तर भारत और मध्य भारत का एक अत्यंत प्रमुख और सामाजिक रूप से व्यापक पर्व है, जो अमूमन तीन से चार दिनों तक उल्लास के साथ मनाया जाता है। ऐसे राष्ट्रीय या क्षेत्रीय स्तर के बड़े त्योहारों को ध्यान में रखकर ही बोर्ड परीक्षा का शेड्यूल तैयार किया जाना चाहिए था। जानकारों का यह भी तर्क है कि पूर्व के वर्षों में भी जब इस तरह की तिथियां तय हुई थीं, तो विद्यार्थियों की असुविधा और सामाजिक परंपराओं को देखते हुए बोर्ड को अपने निर्णय में बदलाव करना पड़ा था। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि पूर्व के अनुभवों के बावजूद सीबीएसई द्वारा इस प्रकार की स्थिति दोबारा क्यों बनने दी गई? परीक्षा के दिन त्योहारी माहौल होने के कारण बच्चों और उनके अभिभावकों को आवागमन और मानसिक एकाग्रता दोनों मोर्चों पर भारी असुविधा का सामना करना पड़ सकता है।

भिटौनी फ्लाईओवर बंद होने से 80 गांवों की बढ़ी परेशानी

जबलपुर। भिटौनी फ्लाईओवर बंद होने से सहजपुर सहित आसपास के करीब 80 गांवों के ग्रामीणों और किसानों को हो रही आवागमन की परेशानी को देखते हुए सांसद आशीष दुबे ने वैकल्पिक मार्ग विकसित करने की पहल की है। शुक्रवार को सांसद ने बरगी विधायक नीरज सिंह ठाकुर और पश्चिम मध्य रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा के साथ भिटौनी स्टेशन एवं आसपास के रेलवे ट्रैक क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान आवागमन के लिए तीन संभावित वैकल्पिक मार्गों का जायजा लिया गया। भिटौनी फ्लाईओवर बंद होने से क्षेत्र के ग्रामीणों को लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है। इसका सबसे अधिक असर किसानों पर पड़ने की आशंका है। आगामी मटर सीजन में किसानों को ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और अन्य वाहनों से अपनी उपज मंडियों तक पहुंचानी होती है। ऐसे में वैकल्पिक मार्ग नहीं मिलने पर उन्हें समय और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सवा करोड़ रुपये कीमत का सोना बरामद

जबलपुर, यश भारत। घर में काम करने वाली महिला पर भरोसा करना एक परिवार को महंगा पड़ गया। मदन महल थाना क्षेत्र में एक घर से करीब एक किलो वजनी सोने की बिस्किट चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए घर में काम करने वाली एक महिला कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चोरी की गई सोने की बिस्किट भी बरामद कर ली गई है। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले मकान मालिक ने मदन महल थाने पहुंचकर सोने की बिस्किट गायब होने की शिकायत दर्ज कराई थी। फरियादी ने बताया कि घर में करीब एक किलो वजन की सोने की बिस्किट रखी हुई थी, जो अचानक गायब हो गई। घर में तलाश करने के बाद भी जब उसका पता नहीं चला तो पुलिस को सूचना दी गई। फरियादी ने घर में काम करने वाले कर्मचारियों पर संदेह जताया था। शिकायत के बाद पुलिस ने घर में काम करने वाले कर्मचारियों की जानकारी जुटाई और उनसे पूछताछ शुरू की। इसी दौरान एक महिला कर्मचारी की गतिविधियां संदिग्ध मिलने पर उससे पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में चोरी का खुलासा हुआ और महिला के कब्जे से करीब एक किलो सोने की बिस्किट बरामद कर ली गई। बरामद सोने की अनुमानित कीमत करीब सवा करोड़ रुपये बताई जा रही है। हालांकि, सोने की शुद्धता और वास्तविक कीमत का पता लगाने के लिए उसे टंच कराया जा रहा है।



सड़कों पर उतरी युवा शक्ति, लंबे समय बाद दिखा भाजयुमो का दम

नवनियुक्त नगर अध्यक्ष रविन्द्र तिवारी की अगुवाई में निकली ऐतिहासिक रैली





जबलपुर, यशभारत। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) महानगर द्वारा गुरुवार को नवनियुक्त नगर अध्यक्ष रविन्द्र तिवारी के नेतृत्व में भव्य 'युवा संकल्प यात्रा' निकाली गई। पाठ बाबा मंदिर में विधि-विधान से पूजन-अर्चन के बाद दोपहर 1 बजे कांचघर चौक से प्रारंभ हुई इस यात्रा में युवाओं का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। शीतलामाई, बाई का बगीचा, ओमती, बेलबाग, करमचंद चौक, मालवीय चौक और गोलबाजार होते हुए रानीताल स्थित भाजपा संभागीय कार्यालय तक निकली इस यात्रा का शहर भर में जगह-जगह मंच लगाकर पुष्पवर्षा व फूलमालाओं से आत्मीय अभिनंदन किया गया। यात्रा के समापन पर संभागीय कार्यालय में 'युवा संवाद' कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा कि युवा शक्ति ही संगठन की असली रीढ़ है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। वहीं, भाजयुमो नगर अध्यक्ष रविन्द्र तिवारी ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि यह यात्रा केवल स्वागत रैली नहीं, बल्कि युवाओं को सेवा और राष्ट्र निर्माण के संकल्प से जोड़ने का अभियान है। उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और 'विकसित भारत' के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, विधायक अशोक रोहाणी, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, निगम अध्यक्ष रिंकू विज, भाजपा महामंत्री पंकज दुबे, रंजीत पटेल, सोनू बचवानी, भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह, नगर महामंत्री श्रीकांत कुक्की वर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।



जनविश्वास अभियान में महापौर विधायक व एसपी ने किया संवाद

जबलपुर। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को महाकौशल कॉलेज में उद्यम एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय और निगमायुक्त अग्रिम कुमार ने नागरिकों व युवाओं से संवाद किया। महापौर अन्नू ने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण से योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों तक पहुंच रहा है। विधायक रोहाणी ने युवाओं को नौकरी लेने के बजाय रोजगार देने वाला बनने के लिए प्रेरित किया। वहीं, एसपी सम्पत उपाध्याय ने हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग, नशे से दूर रहने और साइबर ठगी से बचने की अपील की। संवाद में उद्यमी ध्रुव शर्मा, अमित पासी, बिस्मिल्लाह बी और जान्हवी ने सरकारी योजनाओं व सब्सिडी से आत्मनिर्भर बनने की सफलता की कहानियां साझा कीं।

आमा हिनौता में किसानों को प्राकृतिक खेती और बीज उपचार के लिए किया गया प्रेरित



जबलपुर, यशभारत। आत्मा परियोजना अंतर्गत विकासखंड जबलपुर के ग्राम आमा हिनौता में खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों की बैठक आयोजित की गई। परियोजना संचालक डॉ. इंदिरा त्रिपाठी ने किसानों से नरवाई न जलाने, हैप्पी व सुपर सीडर से बोनी करने तथा परिवार के स्वास्थ्य के लिए कम से कम एक एकड़ में प्राकृतिक खेती अपनाने की अपील की। रबी सीजन को ध्यान रखते हुए किसानों को बीजामृत से बीज उपचार करने की विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे बीज एवं मिट्टी जनित रोगों की रोकथाम की जा सके। बैठक में बीटीएम रीता पांडे और एटीएम नेहा शर्मा भी मौजूद रहीं। इस दौरान ग्राम में स्थापित बीआरसी यूनिट का निरीक्षण कर अभिलेखों का अवलोकन किया गया। डॉ. त्रिपाठी ने किसानों से जैविक उत्पादों के उपयोग और सामूहिक रूप से प्राकृतिक खेती अपनाकर ग्राम को आदर्श जैविक ग्राम के रूप में विकसित करने का आह्वान किया।

वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर लाल पैथ लैब का लाइसेंस 7 दिन के लिए निरस्त

जबलपुर,यशभारत। स्वास्थ्य विभाग की जांच में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाने पर नेपियर टाउन स्थित लाल पैथ लैब का लाइसेंस सात दिनों के लिए अस्थायी रूप से निरस्त कर दिया गया है। सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी के निर्देश पर 13 नवंबर को चार सदस्यीय जांच दल ने 46 नेपियर टाउन, रसल चौक स्थित मार्बल सिटी हॉस्पिटल के सामने संचालित लैब का निरीक्षण किया। जांच के दौरान लैब संचालक मौके पर संबंधित स्थान का पंजीयन, सीएमएचओ कार्यालय का रजिस्ट्रेशन और एनओसी सहित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके अलावा कलेक्शन सेंटरों की जानकारी भी उपलब्ध नहीं कराई गई। जांच में यह भी सामने आया कि लैब में जिले के बाहर से सैंपल आ रहे थे, लेकिन इसके लिए भी कोई विधिवत अनुमति नहीं थी। इन अनियमितताओं को देखते हुए जांच दल की सहमति और सीएमएचओ के आदेश पर 13 नवंबर से आगामी सात दिनों तक लैब का लाइसेंस अस्थायी रूप से निरस्त कर दिया गया है। कार्रवाई पैथोलॉजिस्ट डॉ. अमिता जैन के नेतृत्व में की गई। जांच दल में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. केके वर्मा, डॉ. एकांश राय, जिला मीडिया अधिकारी अजय कुरील एवं विकास श्रीवास्तव शामिल रहे।



बिजली कंपनियों के चपरासी व भृत्य को दफ्तरी व कार्यालय सहायक श्रेणी-3 के पद पर पदोन्नति दें : राकेश डी.पी. पाठक

जबलपुर। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी.पी. पाठक ने ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, प्रमुख सचिव ऊर्जा मनीष सिंह एवं पावर मैनेजमेंट कंपनी के सीएमडी विशेष गढ़पाले सहित सभी बिजली कंपनियों के प्रबंध संचालकों को पत्र लिखकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों (चपरासी/भृत्य) को पदोन्नति देने की मांग की है। पाठक ने बताया कि राज्य शासन, पर्यटन विकास निगम एवं जबलपुर कलेक्टर कार्यालय की तर्ज पर प्रदेश की सभी छह बिजली कंपनियों में कार्यरत भृत्यों को दफ्तरी एवं कार्यालय सहायक श्रेणी-3 के पद पर पदोन्नत किया जाए, ताकि वे एक ही पद से सेवानिवृत्त न हों। फेडरेशन पदाधिकारी यू.के. पाठक, लक्ष्मण सिंह राजपूत, खूबचंद शर्मा, एन.के. यादव, दिनेश दुबे, बी.एस. राठौर, आर.के. कौशिक, अनूप वर्मा, अवनीश तिवारी सहित समस्त पदाधिकारियों ने ऊर्जा विभाग से कर्मचारी हित में शीघ्र आदेश जारी करने का आग्रह किया है।



रेडियो एसपी पर महिला एएसआई को प्रताड़ित करने का आरोप

जबलपुर। पुलिस रेडियो विभाग में कार्यप्रणाली को लेकर विवाद सामने आया है। विभाग के पुलिस अधीक्षक सुनील राजोरे पर एक महिला सहायक उप निरीक्षक ने मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और नौकरी से हटाने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला एएसआई ने इस संबंध में पुलिस महानिरीक्षक को लिखित शिकायत सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में महिला एएसआई ने आरोप लगाया है कि एसपी द्वारा प्रतिदिन दो से तीन घंटे तक लंबी बैठकें आयोजित की जाती हैं। इन बैठकों का कोई ठोस औचित्य नहीं बताया जाता, जिसके चलते नियमित विभागीय कामकाज भी प्रभावित होता है।

चित्रगुप्त फाउंडेशन द्वारा भगवान चित्रगुप्त व कलम-दवात का पूजन



जबलपुर। कार्तिक मास की द्वितीया तिथि के अवसर पर चित्रगुप्त फाउंडेशन संजीवनी नगर के तत्वावधान में कालभैरव मंदिर में स्थापित भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमा एवं कलम-दवात का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। इस धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे कायस्थ परिवारों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजन के उपरांत फाउंडेशन द्वारा उपस्थित जनों को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान अश्लेश श्रीवास्तव द्वारा सभी का मनोहर चाय से स्वागत कर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में संजीवनी नगर, विजय नगर, रतन नगर और धन्वंतरि नगर के अनेक कायस्थ परिवार शामिल हुए। विशेष रूप से वीरेंद्र श्रीवास्तव, अशोक खरे, मनीष श्रीवास्तव, नीरज वर्मा, अश्लेश श्रीवास्तव, प्रदीप खरे, राजेश श्रीवास्तव, इति प्रकाश श्रीवास्तव, आदर्श श्रीवास्तव, शैलेष श्रीवास्तव, श्रीमती यशोदा जगधारी, सीमा श्रीवास्तव, सुनीता ब्यौहार, उषमिता, अनीषा और श्वेता श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।



क्षेत्रीय कार्यालय, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जबलपुर

लोक सुनवाई की आम सूचना

भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आँकलन अधिसूचना क्रमांक एस.ओ. 1533 दिनांक 14.9.2006 यथा संशोधित प्रावधानों के अन्तर्गत सर्व सबंधितों को सूचित किया जाता है कि श्रीमती ममता भार्गव पत्नी श्री ब्रिज किशोर भार्गव, (हृदयनगर लेटेराईट एवं क्ले माईन) माईनिंग ऑफ मिनरल्स, प्रस्तावित रनऑफ माईन क्षमता 196593.50 टन/वर्ष (लेटेराईट-150001.20 टन/वर्ष, क्ले-5000.60, ओवर बर्डन /वेस्ट-41591.70 टन/वर्ष) रकवा 20.00 हेक्टेयर, ख. क. 428 (पार्ट) ग्राम हृदयनगर, तहसील-सिहोरा जिला-जबलपुर (म.प्र.) हेतु पर्यावरण स्वीकृति के लिये भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा गठित राज्य स्तरीय विशेषज्ञ आँकलन समिति भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के अनुक्रम में लोक सुनवाई कराने हेतु परियोजना प्रस्तावक द्वारा म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त परियोजना से संबंधित ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं परियोजना का कार्यकारी सारांश हिन्दी व अँग्रेजी में सॉफ्ट कॉपी सहित, का अवलोकन (1) कार्यालय कलेक्टर जबलपुर (2) कार्यालय जिला पंचायत, जबलपुर, (3) कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जबलपुर, (4) ग्राम पंचायत हृदयनगर, तहसील-सिहोरा जिला जबलपुर (5) अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक, केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन लिंक रोड क्रमांक 3 राजयोग भवन के पास ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल (6) मुख्यालय म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल एवं (7) क्षेत्रीय कार्यालय म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्लॉट नं 455/456 विजयनगर, जबलपुर में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है तथा इसे बोर्ड की वेबसाइट www.mppcb.nic.in पर भी देखा जा सकता है।

अत: जिस किसी व्यक्ति को उक्त खनन परियोजना के पर्यावरणीय विषय के संबंध में कोई सुझाव, विचार, टीका टिप्पणी एवं आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय अधिकारी म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विजय नगर जबलपुर (म.प्र.) के कार्यालय में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय मे प्रस्तुत की जा सकती है। उक्त परियोजना के लिए लोक सुनवाई दिनांक 18.12.2026 दिन शुक्रवार को अपराह्न 1.00 बजे से ग्राम हृदयनगर खदान क्षेत्र के पास, तह. सिहोरा जिला-जबलपुर (म.प्र.) में आयोजित की जायेगी, इस दौरान भी सुझाव, विचार, टीका/टिप्पणी एवं आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

क्षेत्रीय अधिकारी

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्र./2768/अ-6/2025-26
जबलपुर, दिनांक 12.11.26

//आम इश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक- श्री मनमोहन सिंह परिहार पिता फूल सिंह परिहार निवासी 512/2, शिवनगर मां किराना के पास द्वारा ग्राम रानीपुर नं.बं. 401, प.ह.नं. 31 राजस्व निरीक्षक मंडल माढ़ोताल में स्थित खसरा नं. 40/1/1 का भाग रकवा 4535 वर्गफुट हे. भूमि पंजीकृत फौती के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। वर्तमान में भूमि श्री फूलसिंह परिहार पिता राम प्रसाद परिहार निवासी जबलपुर के नाम दर्ज है। तत्संबंध में नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वो अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज पेशी दिनांक... तक कार्यालय तहसीलदार तहसील अधारताल महोदय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक-12/11/26
पेशी दिनांक-23/12/26

नायब तहसीलदार
अधारताल, जबलपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्र./2411/अ-6/2026-27
जबलपुर, दिनांक 13.11.26

//आम इश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक- श्री श्रीपाल यादव पिता स्व. श्री रामरतन यादव निवासी मं.नं. 803, समदडिया नगर, काँचघर, जबलपुर, जिला जबलपुर म.प्र. के द्वारा मौजा माढ़ोताल, नं0बं0 660, प0ह0नं0 25/31 रा.नि.मं. माढ़ोताल, तहसील अधारताल जिला जबलपुर का हिस्सा भूमि का डायवर्टेड खसरा नं. 11/3, 104/1, 100/1, 101/1, 109/2, 110/1, 111/2, 11/5, 100/2, 101/2, 104/2, 109/3, 110/2, 111/3, का कुल रकवा 5.755 हेक्टेयर में से 200 वर्गफुट भूमि पर स्थित शॉप यूनिट नं. 725 जिसका विक्रित सुपर बिल्टप रकवा 200 वर्गफुट क्रय किया गया। विनिमय पत्र के माध्यम से क्रय की गई भूमि का नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। वर्तमान में भूमि विक्रेता श्रीमती विभा समदडिया पति श्री किशोर समदडिया का नाम दर्ज है। तत्संबंध में नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वो अपनी तक कार्यालय अतिरिक्त तहसीलदार तहसील अधारताल महोदय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है पीसी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जाएगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक-13/11/26
पेशी दिनांक-01/12/26

नायब तहसीलदार अधारताल, जबलपुर

चिंतन-मनन

विकास की कसौटी

भारत आज दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। आर्थिक विकास के आंकड़े, बढ़ता बुनियादी ढांचा, एक्सप्रेसवे, आधुनिक रेल नेटवर्क, डिजिटल सेवाएं और औद्योगिक विस्तार देश की बदलती तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। विकसित भारत का सपना भी इसी प्रगति की मजबूत नींव पर खड़ा है। लेकिन इस चमकती तस्वीर के बीच एक सवाल लगातार सामने आता है कि क्या आर्थिक विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक समान रूप से पहुंच रहा है? क्या आम आदमी का जीवन उतना ही आसान और सुरक्षित हुआ है, जितनी तेजी से देश की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है? आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है। यह निश्चित रूप से उत्साहजनक उपलब्धि है। आर्थिक विकास से निवेश, उत्पादन, व्यापार और सरकारी राजस्व के अवसर बढ़ते हैं। इसके लिए सरकार की नीतियों, उद्योगों की भूमिका और बुनियादी ढांचे के विस्तार का महत्व भी स्वीकार करना होगा। हालांकि, जीडीपी की वृद्धि अपने आप में आम नागरिक की आर्थिक खुशहाली का पूरा प्रमाण नहीं हो सकती। विकास का वास्तविक अर्थ तब सामने आता है, जब उसका लाभ किसान, मजदूर, छोटे व्यापारी, नौकरीपेशा व्यक्ति, युवा और मध्यमवर्गीय परिवार तक पहुंचे। आज आम परिवार की सबसे बड़ी चिंता महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार है। एक सामान्य परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा बच्चों की पढ़ाई, मकान के किराये, राशन, बिजली और चिकित्सा पर खर्च करता है। निजी अस्पतालों में इलाज और निजी शिक्षण संस्थानों की फीस लगातार बड़ी आर्थिक चुनौती बनती जा रही है। सरकारी अस्पतालों और विद्यालयों पर भी आबादी का दबाव है। ऐसे में आर्थिक विकास के आंकड़ों के साथ यह देखना भी जरूरी है कि आम आदमी की बचत बढ़ रही है या उसकी आय का अधिकांश हिस्सा जरूरी खर्चों में समाप्त हो रहा है। देश के सामने रोजगार का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। युवाओं के पास डिग्रियां हैं, तकनीकी शिक्षा है और आगे बढ़ने की आकांक्षा भी है, लेकिन उन्हें उनकी योग्यता के अनुरूप स्थायी रोजगार मिलना अभी भी बड़ी चुनौती है। केवल कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना पर्याप्त नहीं है। उद्योगों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, कृषि आधारित व्यवसायों और सेवा क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा करने होंगे। स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के साथ छोटे उद्यमियों को आसान ऋण, बाजार और तकनीकी सहायता उपलब्ध करानी होगी। शिक्षा और स्वास्थ्य को विकास की प्राथमिकता बनाना भी आवश्यक है। सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रशिक्षित शिक्षक, आधुनिक प्रयोगशालाएं और डिजिटल सुविधाएं सुनिश्चित होनी चाहिए। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता का अंतर कम करना होगा। इसी तरह सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सक, दवाएं, जांच सुविधाएं और बेहतर चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराना जरूरी है। स्वास्थ्य सेवा इतनी सुलभ हो कि किसी परिवार को बीमारी के कारण अपनी वर्षों की बचत या संपत्ति गंवानी न पड़े। विकास का एक महत्वपूर्ण पक्ष ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी है। किसान की आय, कृषि की लागत, सिंचाई, फसल का उचित मूल्य और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाए बिना समावेशी विकास का लक्ष्य अधूरा रहेगा। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी, बुजुर्गों की सामाजिक सुरक्षा और कमजोर वर्गों के लिए बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता भी विकास के मूल्यांकन का हिस्सा होनी चाहिए। सरकार के लिए आवश्यक है कि बजट और नीतियां बनाते समय बड़े निवेश और विकास दर को प्राथमिकता के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, स्वच्छ पेयजल, सस्ती आवास व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा पर भी पर्याप्त ध्यान दिया जाए। योजनाओं की सफलता का आकलन इस आधार पर होना चाहिए कि उनका लाभ कितने लोगों तक पहुंचा और उनके जीवन में कितना वास्तविक बदलाव आया। इसके लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और स्थानीय स्तर पर नियमित निगरानी जरूरी है। विकसित भारत का सपना किसी एक सरकार, संस्था या वर्ग का लक्ष्य नहीं बल्कि पूरे देश की सामूहिक आकांक्षा है। आर्थिक शक्ति और आधुनिक तकनीक इस लक्ष्य तक पहुंचने के महत्वपूर्ण साधन हैं, लेकिन अंतिम मंजिल नागरिकों की खुशहाली है। देश तभी वास्तव में विकसित कहलाएगा, जब किसी गरीब बच्चे को अच्छी शिक्षा के लिए संघर्ष न करना पड़े, किसी परिवार को इलाज के अभाव में परेशानी न झेलनी पड़े और किसी युवा को रोजगार के लिए अपनी योग्यता से समझौता न करना पड़े। जीडीपी देश की आर्थिक प्रगति बताती है, लेकिन आम आदमी के चेहरे की संतुष्टि ही विकास की वास्तविक सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

कड़वे वचन



किसी ने पूछाः मंदिर जाते हैं तो पहले घंटी क्यों बजाते हैं? मैंने प्रतिप्रश्न कियाः फोन आता है तो पहले घंटी क्यों बजती है? फोन की घंटी इशारा है कि किसी ने पुकारा है और मंदिर की घंटी भी इशारा है कि प्रभु तेरा ही सहारा है। मंदिर की घंटी के संग मन मंदिर की घंटी भी बजनी चाहिए। कहें- हे प्रभु मेरा नाथ तू है, दुनिया में हूं अकेला, पर मरे साथ तू है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-14 नवम्बर, 2026
दिन-शनिवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष



बिना मांगे सलाह देने से बचे लेनदेन के मामले में सतर्क रहें देवी पार्वती का पूजन करें

वृष



घर के बाहर वाद-विवाद से दूर रहे मन की इच्छा पूर्ण होगी चांदी की गिलास में पानी पिए

मिथुन



उधार लेने व देने से बचें विद्यार्थियों के लिए समय ठीक नहीं है मन में भटकाव रहेगा वट वृक्ष का पूजन करें

कर्क



रुका हुआ पुराना काम बन सकता है परिवार के किसी सदस्य के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है ओम विधि रूपाय नमः का जाप करें

सिंह



वरिष्ठ ओं का मार्गदर्शन मिलेगा अपने ऊपर फोकस बनाए रखें भगवान शिव को जल चढ़ाएं

कन्या



कारोबारी कार्य में मन लगेगा लाभ के अवसर मिलेंगे लालच में ना फंसे ओम नमः पार्वती पति यह नमः का जाप करें

तुला



धन लाभ के अवसर बढ़ेंगे पारिवारिक चिंता रहेगी शुक्र ग्रह का पूजन करें

वृश्चिक



मन प्रफुल्लित रहेगा तेज ड्राइविंग से बचे हनुमानजी के दर्शन करे

धनु



आज मनमाफिक काम होंगे पुरानी स्मृतियों का मन पर कब्जा रहेगा ब्राह्मणों को दान दे

मकर



घूमने फिरने की योजना साकार होगी मनचाहे लोगों का साथ मिलेगा हाइपर होने से बचे शनि का पूजन करें

कुंभ



दिन तनाव भरा कठिन रहेगा शाम की बात मन प्रसन्न रहेगा पीपल के वृक्ष में दिया लगाएं

मीन



लोगों के मैसेज पढ़ कर मन प्रसन्न होगा तारीफ होगी लालच में ना फंसे गुरुओं की सेवा करें

14 नवंबर बाल दिवसः अधिकार, संस्कार और सुनहरे भविष्य का संकल्प

बच्चों के मौलिक अधिकारों, उनकी शिक्षा, पोषण, सुरक्षा और सर्वांगीण विकास के प्रति समाज को जागरूक करने तथा उन्हें सुरक्षित एवं रचनात्मक वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से हमारे देश में प्रत्येक वर्ष 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती का भी अवसर है, जिन्हें बच्चे स्नेहपूर्वक चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे। वास्तव में, बाल दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य बच्चों को शोषण से बचाकर उनके अधिकारों की रक्षा करना, उन्हें अच्छी शिक्षा एवं समुचित पोषण उपलब्ध कराना और उनके संपूर्ण विकास के लिए सुरक्षित तथा खुशहाल वातावरण तैयार करना है, ताकि वे देश के बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें।गौरतलब है कि वर्ष 1889 में जन्मे पंडित जवाहरलाल नेहरू की वर्ष 2026 में 137वीं जयंती है। वर्ष 1964 में उनके निधन के बाद से 14 नवंबर को बाल दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई और इस वर्ष इसका 63वाँ आयोजन है। वहीं, प्रतिवर्ष 20 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस (विश्व बाल दिवस) मनाया जाता है। इस अवसर पर यूनिसेफ बच्चों के अधिकारों, कल्याण और उनके बेहतर भविष्य से जुड़े मुद्दों को वैश्विक स्तर पर प्रमुखता देता है तथा प्रतिवर्ष इस दिशा में एक विशेष विषय पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

आज हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के तेज रफ्तार युग में जी रहे हैं। ऐसे में बाल दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं, बल्कि बच्चों के बदलते बचपन और उनके सामने उभरती नई चुनौतियों पर गंभीर चिंतन करने का अवसर भी बन गया है। कहना गलत नहीं होगा कि आज के बच्चे मिट्टी के खिलौनों और दादी-नानी की कहानियों की दुनिया से निकलकर स्मार्टफोन, टैबलेट और एल्गोरिदम की आभासी दुनिया में बड़े हो रहे हैं। जहाँ एक ओर एआई ने व्यक्तिगत शिक्षा, त्वरित ज्ञान और दिव्यांग बच्चों के लिए सीखने के नए द्वार खोले हैं, वहीं दूसरी ओर तैयारशुदा और पलभर में मिलने वाले उत्तरों की सुविधा ने उनकी मौलिक कल्पनाशीलता, जिज्ञासा और स्वयं प्रयास करके सीखने की प्रवृत्ति के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी कर दी हैं।ऐसे में इस बाल दिवस की सबसे बड़ी सार्थकता यही है कि हम बच्चों को तकनीक का गुलाम बनाने के बजाय उसका विवेकशील उपयोगकर्ता बनाएं। उनके हाथों में स्मार्ट उपकरण थमाने के साथ-साथ उनके भीतर मानवीय संवेदनाओं, खेल के मैदान की ऊर्जा और प्रकृति से जुड़ाव की लौ भी जीवित रखें। तकनीक उनके ज्ञान और विकास का साधन बने, न कि उनके स्वाभाविक बचपन और रचनात्मकता पर हावी होने का माध्यम।

वास्तव में, बाल दिवस आत्ममंथन करने का दिन है कि हम अपने बच्चों को कैसा बचपन और कैसा भविष्य दे रहे हैं। आज जब दुनिया तेजी से बदल रही है, तकनीक बच्चों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुकी है और प्रतिस्पर्धा का दबाव कम उम्र में ही उनके मन-मस्तिष्क पर हावी होने लगा है, तब बच्चों के विकास को केवल अच्छे अंक और बेहतर करियर तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। सच तो यह है कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सबसे पहले उन्हें सुरक्षित, स्नेहपूर्ण और भयमुक्त वातावरण देना जरूरी है। हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि बच्चे का व्यक्तित्व केवल स्कूल की चारदीवारी में नहीं बनता, बल्कि परिवार, समाज, मित्रों और परिवेश से भी आकार लेता है। माता-पिता



का समय, उनका व्यवहार, आपसी संवाद और दिए गए संस्कार बच्चे के मानसिक एवं भावनात्मक विकास की बुनियाद होते हैं। अतः आज जरूरत इस बात की है कि माता-पिता बच्चों पर अपनी अपेक्षाएँ थोपने के बजाय उनकी रुचियों, क्षमताओं और भावनाओं को समझें तथा उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने के पर्याप्त अवसर दें।

स्वामी विवेकानंद के शब्दों में कहें तो, मनुष्य की अंतर्निहित पूर्णता को अभिव्यक्त करना ही शिक्षा है। अर्थात् शिक्षा भीतर छिपी श्रेष्ठ संभावनाओं को बाहर लाने का माध्यम है। सरल शब्दों में कहा जा सकता है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना और नौकरी प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक संवेदनशील, विवेकशील तथा जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी है।सच तो यह है कि बच्चों को सवाल पूछने, तर्क करने, नई चीजें सीखने और अपनी कल्पनाशक्ति को अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। रटने और अंकों की अंधी दौड़ से बाहर निकलकर शिक्षा को रचनात्मकता, व्यावहारिक ज्ञान और जीवन-मूल्यों से जोड़ना समय की मांग है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो बच्चों को केवल प्रतिस्पर्धा करना ही नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का सामना करना, सही-गलत में अंतर समझना और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना भी सिखाए।

आज के डिजिटल दौर में बच्चों को मोबाइल और आभासी दुनिया तक सीमित रखने के बजाय मैदान, पुस्तकालय, प्रकृति और वास्तविक सामाजिक जीवन से जोड़ना भी बेहद जरूरी है। बच्चों के विकास में खेलकूद, पौष्टिक भोजन, पर्याप्त नींद और नियमित दिनचर्या की अहम भूमिका होती है। खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे अनुशासन, सहयोग, नेतृत्व, धैर्य और हार को स्वीकार करने की सीख भी देते हैं। इसी तरह संगीत, साहित्य, कला और अन्य रचनात्मक गतिविधियाँ बच्चों की संवेदनशीलता, कल्पनाशक्ति और अभिव्यक्ति क्षमता को समृद्ध करती हैं।इसके साथ ही,आज बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी अत्यंत आवश्यक है। हमें समझना होगा कि हर बच्चा एक जैसा नहीं होता। किसी की रुचि विज्ञान में होती है तो किसी की साहित्य, खेल, संगीत या कला में। किसी की सीखने की गति तेज होती है तो किसी को थोड़ा अधिक समय चाहिए। ऐसे में बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों से करना, छोटी-छोटी गलतियों पर उन्हें अपमानित करना और असफलता को अपराध की तरह देखना उनके आत्मविश्वास को कमजोर करता है। बच्चों को यह भरोसा मिलना चाहिए कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि सीखने और आगे बढ़ने का एक अवसर है।बच्चों में संवेदनशीलता, समानता, पर्यावरण संरक्षण, बुजुर्गों के प्रति सम्मान, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे जीवन-मूल्यों का विकास भी जरूरी है। हमारी जिम्मेदारी केवल उन्हें सफल व्यक्ति बनाना नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान बनाना भी है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास की बात तब तक अधूरी है, जब तक समाज उनके मौलिक अधिकारों और सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं समझता। बाल श्रम, बाल विवाह, शोषण, लैंगिक भेदभाव और शिक्षा से वंचित बच्चों की समस्याओं के प्रति समाज को गंभीर होना होगा। प्रत्येक बच्चे को बिना किसी भेदभाव के समान अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पर्याप्त पोषण और सुरक्षित वातावरण मिलना उसका मौलिक अधिकार है, किसी का उपकार नहीं।यह भी जरूरी है कि परिवार, विद्यालय, समाज और सरकार मिलकर ऐसा वातावरण तैयार करें, जहाँ बच्चे बिना किसी भय और दबाव के अपनी प्रतिभा को निखार सकें। उनकी बात सुनी जाए, उनकी जिज्ञासाओं को प्रोत्साहित किया जाए और उनकी समस्याओं को गंभीरता से समझा जाए। बच्चों के अधिकारों की रक्षा केवल कानूनों और सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, इसके लिए सामाजिक संवेदनशीलता और सामूहिक जिम्मेदारी भी उतनी ही जरूरी है।

बाल दिवस हमें याद दिलाता है कि बच्चे केवल देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी हैं। यह दिन पंडित जवाहरलाल नेहरू के उस सपने की याद दिलाता है, जिसमें हर बच्चा शिक्षित, स्वस्थ और सुरक्षित हो। यह अवसर हमें संकल्प लेने के लिए प्रेरित करता है कि बिना किसी भेदभाव के सभी बच्चों को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें तथा समाज उन्हें बाल श्रम, शोषण और अन्य सामाजिक बुराइयों से बचाने के लिए सजग रहे।बच्चों को केवल किताबी ज्ञान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें अच्छे संस्कार, प्रेम, संवेदनशीलता और नैतिक मूल्य देना भी उतना ही आवश्यक है। यदि आज के बच्चों को उचित मार्गदर्शन, शिक्षा, पोषण और सुरक्षित वातावरण मिलेगा, तो कल का भारत स्वतः ही सशक्त और समृद्ध बनेगा। हर बच्चे को खिलखिलाने, खेलने, अपनी जिज्ञासाओं को उड़ान देने और सपनों को साकार करने का पूरा अधिकार मिलना चाहिए।

अंततः, बाल दिवस की सच्ची सार्थकता केवल समारोहों, भाषणों और उपहारों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह हमारे व्यवहार और सामाजिक जिम्मेदारी में भी दिखाई देनी चाहिए, क्योंकि जिस समाज का बचपन सुरक्षित, शिक्षित, स्वस्थ और खुशहाल होता है, उसी समाज का भविष्य उज्ज्वल होता है।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार)

स्त्री-प्रश्नों पर मूक होता समाज

सद्य विवाहिताओं की मृत्यु के मामले अक्सर मीडिया में चर्चित होते रहते हैं। इन मामलों में देखने में आता है कि इनकी शिकार बनने वाली महिलाएं लगातार ऐसी परिस्थितियों के बीच रहने को विवश होती हैं जिनमें किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए जीना मुश्किल होता है। ऐसे मामले होने के बाद लड़कियों के घरवाले ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना सहित कई तरह के आरोप लगाते हैं और उन्हें मरने हेतु विवश करने या जान लेने का दोषी बताते हैं। इन सभी मामलों में सबसे कॉमन चीज यह है कि दहेज के लालच में या लड़की के परिवार से पैसे ऐंठने के चक्कर में ऐसी घटनाएं होती हैं। एक सामाजिक के रूप में दहेज देने वाला अपराध में, दहेज लेने वाले के बराबर ही हिस्सेदार होता है। लड़के के साथ ही लड़की के माता-पिता भी इसमें बराबर के दोषी होते हैं।

हमारे देश में दहेज हत्या की दर बहुत चिंताजनक है। दहेज निषेध अधिनियम 1961 से लागू होने के बावजूद दहेज की वजह से होने वाली मृत्यु में वृद्धि इस प्रथा की लगातार बढ़त को दर्शाती है। दहेज के लिए अब भी बहुत महिलाओं को उत्पीड़न, मारपीट और आत्महत्या जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। इस संबंध में कई सारी धाराएं हैं जिनमें आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान किया गया है लेकिन लम्बी जाँच प्रक्रिया की वजह से दोषियों को सजा मिलना दुर्लभ बना हुआ है। गवाही देने के लिए कोई भी तैयार नहीं होता, जानते-बुझते सब अपना मुँह सी लेते हैं, ऐसे में सजा हो पाना सम्भव ही नहीं रह जाता। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार भारत में 2017 से 2022 के बीच प्रतिवर्ष औसतन 7,000 दहेज से संबंधित हत्याएँ दर्ज की गईं। इन आँकड़ों में वे मामले शामिल नहीं होते जिनकी शिकायत नहीं की जाती। विश्व बैंक द्वारा वर्ष 1960 से 2008 तक ग्रामीण भारत में किये गए एक अध्ययन में पाया गया कि 95% शादियों में दहेज दिया गया था। यानी दहेज शादी का पर्याय हो चुका है।



दहेज के कारण बड़ी संख्या में होने वाली मौतों के बावजूद इस प्रथा का जारी रहना यह बताता है कि किसी सामाजिक समस्या को कानून बनाने मात्र से हल नहीं किया जा सकता। पिछले सालों में जिस तरह की भव्य शादियों का ट्रेंड हुआ है इससे यह कुप्रथा और भी बढ़ रही है। आत्मनिर्भर और शिक्षित लड़कियों की शादियों में भी खुलकर दहेज दिया जा रहा है। फिर कैसे यह सब रुकेगा जब समाज इसका भिन्न-भिन्न कारण बताकर महिमामंडन भी किए जा रहा है? यह प्रथा महिलाओं का वस्तुकरण करती है और पितृसत्तात्मक समाज में लैंगिक भेदभाव को बनाए रखने का माध्यम बनती है। दहेज का मुद्दा एक समाज के रूप में हमारे लिए विषय कभी नहीं बनता। इसमें सभी बराबर के भागीदार हैं। बेटी को दहेज दिया ही इसलिए जाता है कि उसका हिसाब बेटे की शादी में कर लिया जाएगा। दहेज किस तरह भारतीय पारिवारिक व्यवस्था में औरत को दोयम दर्जे पर बनाए रखने की पुख्ता व्यवस्था करता है इस पर कोई बहस नहीं होती। दहेज आर्थिक मसला नहीं है न केवल यह महिलाओं की शिक्षा या आर्थिक आत्मनिर्भरता से जुड़ा है। यह पूरी व्यवस्था पैतृक सम्पत्ति से स्त्रियों को अलग करने और ताउम्र उन्हें पुरुष पर निर्भर रखने के लिए बनाई गई है। बेटी को सम्पत्ति के हक से महरूम करना और दहेज देना एक ही विषय के दो पहलू हैं। सम्पत्ति में हक नहीं देना पड़े इसीलिए दहेज दिया जाता है। इससे लड़कियाँ अहसान के रूप में उम्रभर भावनात्मक रूप से अपने परिवार पर निर्भर बनी रहती हैं। यह स्त्रियों को सदैव पराधीन बनाए रखने का तन्त्र है जिसे थोड़ा नुकसान झेलकर बनाए रखा जा सकता है। लड़की को दिए जाने वाले दहेज पर भी उसका अपना कोई हक नहीं होता वह अगले परिवार की सम्पत्ति है। बहुत सारा दहेज देकर विदा की हुई बेटी भी अपने घर में लौट नहीं सकती है। कोई समस्या होने पर अधिकांश लड़कियों का परिवार उन्हें अकेला छोड़ देता है और मृत्यु तक सब कुछ ठीक होने का इंतज़ार करता है। यह किस दर्जे की क्रूरता है? भारत में विवाह जहाँ एक सामाजिक मसला है वहीं विवाह में आने वाली समस्या को निजी माना गया है। इन दोनों के अन्तर्विरोध से भारतीय विवाह समस्याओं और संकटों के कुरुक्षेत्र बनने को बाध्य रहते हैं। सामाजिक दबाव के कारण परिवार दहेज मांगों को पूरा करना जहाँ अपनी मजबूरी मानते हैं वहीं इस वजह से होने वाली हिंसा का सामान्यीकरण किया जाता है। उत्पीड़न और हिंसा के अनेक मामलों की रिपोर्ट ही नहीं की जाती। समाज दहेज लोभी परिवारों का विरोध करने की बजाय इस गैरकानूनी प्रथा को प्रत्यक्ष या परोक्ष तरीके से बढ़ावा देने का काम करता है। इस पूरी व्यवस्था में महिलाएं, भले ही वह माँ हो या सास पितृसत्ता की सबसे बड़ी पैरोकार बनकर खड़ी होती हैं। वे लड़की के होने को, उसकी सगाई टूटने को, शादी के बाद वापस घर लौटने को, अलग हो जाने को, लड़की के अस्मिता बोध को परिवार के लिए शर्म की तरह परिभाषित करती हैं। इस तरह लड़की के लिए स्वयं को बचाए रखने का कोई रास्ता समाज नहीं छोड़ता।प्रश्न यह है कि क्या इन मौतों से हमारे समाज को कोई फ़र्क पड़ता है, फ़र्क यदि पड़ता तो देशभर में रोज-रोज ऐसी घटनाएं दोहराई जाती रहती? लोग इन घटनाओं को सामाजिक व्यवस्था की उपज और अनिवार्य स्थिति नहीं मानते बल्कि दुर्घटनाओं की तरह मानते हैं। इससे उन्हें इन घटनाओं के पीछे की कहानी में अपनी भूमिका को विश्लेषित नहीं करना पड़ता, वे स्वयं अपराध-बोध से मुक्त रहते हैं। ऐसी मनोवृत्ति में ही इस तरह की घटनाएँ दोहराई जाती रहती हैं। इन्हें लड़की का दुर्भाग्य मानकर छोड़ दिया जाता है। यही कारण है कि ऐसे आरोप वाले परिवारों में लोग अपनी बेटियां देने में नहीं हिचकते, उन लड़कों का बहुत जल्द पुनर्विवाह हो जाता है। लड़की के मरने को समाज में समस्या के तौर पर नहीं देखा जाता बल्कि शर्म मानकर उसे दबा दिया जाता है। समाज की स्मृति में इन हत्याओं का कोई स्थान नहीं होता। दहेज के लिए होने वाली हत्याओं में कितनों को सजा होती हैं, वे केस फिर कुछ ले-देकर उठा लिए जाते हैं। जब तक समाज में महिलाओं को अपने निर्णय लेने की आजादी नहीं होगी तब तक ऐसे मामले होते ही रहेंगे। अकेले व्यक्ति से गलती हो सकती है लेकिन एक व्यवस्था जिस गलती को सालों-साल दोहराती है वह गलती नहीं सामाजिक निर्णय होता है। उन निर्णयों के बदलने हेतु सामाजिक संरचना को बदलना आवश्यक होता है। लड़कियों को ही अपने बारे में सोचना पड़ेगा। माता-पिता पर भावनात्मक निर्भरता ठीक है किन्तु अपनी कदर भी उन्हें करनी सीखनी चाहिए। उन्हें ही अपने लिए रास्ते बनाने होंगे, समाज उनके लिए सदैव से एक बंद रास्ता ही है।

(डॉ. मोनिका भाम्भू कलाना -यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गर्म होती दुनिया में बढ़ते प्रदूषण से घुटती सांसें की चुनौती

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, जंगलों की आग, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और असामान्य गर्मी अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। प्रकृति का संतुलन जिस तेजी से बिगड़ रहा है, उसने मानव सभ्यता के सामने अस्तित्व का गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 9 नवंबर 2026 को जारी स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट 2026 रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 पिछले चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की राह पर है और जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। 2015 से 2026 तक के सभी 12 वर्ष रिकॉर्ड के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं। यह आंकड़ा केवल तापमान की वृद्धि का आंकड़ा नहीं है, बल्कि मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र-स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र-स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है।

इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार अगस्त से अलनीनो तेजी से मजबूत हुआ है और नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच इसकी तीव्रता असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है। इसके कारण



2027 में अत्यधिक गर्मी, सूखा और भारी वर्षा जैसी चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है। अर्थात खतरा केवल आज का नहीं है। आने वाला वर्ष भी मानवता को प्रकृति के कठोर रूप का सामना करा सकता है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण मंत्रालयों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय मानना अब गंभीर भूल होगी। यह स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, जलस्रोत, आवास और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसका सबसे बड़ा बोझ उन देशों और समुदायों पर पड़ रहा है, जिनका ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम रहा है। विकासशील और गरीब देशों के सामने एक साथ दो चुनौतियां हैं-विकास की आवश्यकताओं को पूरा करना और जलवायु संकट से स्वयं को बचाना।

दशकों तक विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किया। आज जब विकासशील देश आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, उनसे उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस बार दुनिया घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करेगी?

पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन, जल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ाना होगा। शहरों की नियोजन व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, भवन निर्माण, कृषि और उद्योग-हर क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना होगा। क्योंकि अब सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके सामने कितनी जल्दी और कितनी ईमानदारी से खड़े होते हैं।

(लेखक - ललित गर्ग, लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

साहिबगंज के पेशेवर गिरोह पर संदेह झारखंड पहुंची कटनी पुलिस

वारदात को अंजाम देने के बाद आटो से पहुंचे स्टेशन, ट्रेन से भागे



आईजी का दावा : जल्द पकड़ा जाएगा गिरोह

कटनी, यशभारत। बरगवां स्थित किसना ज्वेलर्स में 11-12 नवंबर की रात हुई 15 करोड़ की सनसनीखेज चोरी की वारदात के तीन दिन बीतने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली है। 72 घंटे की पड़ताल के बाद पुलिस केवल इतना पता लगाने में सफल रही कि इस वारदात में झारखंड के किसी पेशेवर गिरोह का हाथ है। यह गिरोह कटनी कब आया और किस तरह वारदात को अंजाम दिया, इसकी जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। पुलिस की अलग-अलग टीमें मामले की जांच में जुटी हुई है। तीन टीमें दूसरे राज्यों की खाक छान रही है। स्थानीय स्तर पर भी अधिकारी मामले की गुत्थी सुलझाने में लगे हुए हैं। दोपहर बाद कटनी पहुंचे आईजी प्रमोद वर्मा ने मीडिया से बातचीत के बाद इस वारदात में झारखंड कनेक्शन होने की बात भी कही है। उन्होंने कहा कि वारदात में किसी पेशेवर गिरोह का हाथ है। किसना ज्वेलर्स में चोरी की वारदात के बाद पुलिस को कई अहम सुराग हाथ लगे हैं। वारदात में 7 आरोपियों की भूमिका सामने आई है। ये आरोपी 11 नवंबर को कटनी पहुंचे थे और वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई। सूत्रों के मुताबिक आरोपी दीवार तोड़ने के लिए टूलकिट मुंबई से खरीदकर साथ लाए थे, जबकि गैस, ऑक्सीजन सिलेंडर एवं कटर कटनी में खरीदा। वारदात की दरमियानी रात चार बदमाश दीवार में सेंध लगाकर शोरूम के भीतर घुसे हुए और 3 बदमाश आसपास निगरानी करते रहे। आभूषण समेटने के बाद सभी आरोपी ऑटो से रेलवे स्टेशन पहुंचे और सतना की ओर जाने वाली ट्रेन में सवार होकर भाग निकले।

इन सुरागों से मिल रही मदद - पुलिस सूत्रों के अनुसार वारदात में शामिल संदिग्धों को चिन्हित किया गया है। इनकी गिरफ्तारी के लिए उत्तरप्रदेश और बिहार में दबिश दी जा रही है। जांच में सामने आया है कि बदमाश दीवार तोड़ने के उपकरण अपने साथ लेकर आए थे। ये उपकरण मुंबई में खरीदे गए थे। घटनास्थल के समीप लाल पहाड़ी क्षेत्र में मिली एक रसीद से पुलिस को खरीदी का सुराग मिला है। तिजोरी और लॉकर काटने के लिए गैस सिलेंडर, ऑक्सीजन सिलेंडर और कटर कटनी से खरीदे गए थे। जांच में सामने आया है कि शोरूम में तिजोरी नहीं थी और सिलेंडर-कटर का इस्तेमाल नहीं हुआ। ऐसे में पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों के उपकरण खरीदारी के दौरान उनकी मदद किसने की। गिरोह की गतिविधियों और खरीदारी से जुड़े अन्य साक्ष्यों पता लगाया जा रहा है।

स्टेशन के सीसीटीवी कैमरों में संदिग्धों की गतिविधियां कैद - वारदात के बाद आरोपियों ने शहर से निकलने के लिए ऑटो का इस्तेमाल किया। वे ऑटो से कटनी रेलवे स्टेशन पहुंचे और सतना की ओर जाने वाली ट्रेन में सवार हो गए। स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों में संदिग्धों की गतिविधियां कैद होने की जानकारी मिली है। पुलिस अब इन फुटेज के आधार पर उनके हुलिए और आगे की आवाजाही का पता लगाने का प्रयास कर रही है। कटनी से प्रयागराज के बीच रेलवे स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि ट्रेन से निकलने के बाद आरोपी कहां पहुंचे और किन लोगों के संपर्क में आए।**घटना से पहले कटनी आकर की रैकी-** पुलिस को यह इनपुट भी मिला है कि चोरी से कुछ दिन पहले दो आरोपी कटनी पहुंचे थे और उन्होंने शोरूम की रैकी की थी। आरोपियों के वारदात से पहले सतना जिले में ठहरने की जानकारी भी जांच में सामने आई है। पुलिस यह पता लगा रही है कि दोनों आरोपी कहां रुके थे। कटनी में कितनी देर रहे और किन रास्तों से शोरूम तक पहुंचे। यह भी जांच का विषय है कि रेकी करने वाले दोनों आरोपी सात सदस्यीय गिरोह के ही हिस्से थे या उन्होंने किसी अन्य के लिए शोरूम की जानकारी जुटाई थी। यदि रैकी और चोरी में शामिल लोगों की कड़ियां जुड़ती हैं तो गिरोह की पूरी योजना और उसके स्थानीय संपर्कों का पता चल सकता है।

चार बदमाश अंदर, तीन बाहर - वारदात की रात बदमाशों ने शोरूम के पीछे की दीवार में छेद किया और उसी रास्ते अंदर दाखिल हुए। सीसीटीवी फुटेज में चार लोगों के शोरूम के भीतर चोरी करते दिखाई देने की जानकारी सामने आई है, जबकि तीन अन्य आसपास रहकर निगरानी कर रहे थे। अंदर पहुंचे बदमाशों ने हीरे, सोने और अन्य कीमती आभूषण समेटे और उसी सेंध के रास्ते बाहर निकल गए। शुरुआती आकलन में चोरी गई संपत्ति की कीमत करीब 10 करोड़ रुपए बताई गई थी लेकिन आभूषणों के मिलान के बाद नुकसान का आंकड़ा बढ़कर करीब 15 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। पुलिस अब फुटेज के आधार पर सातों संदिग्धों की अलग-अलग भूमिका का पता लगाने में जुटी है।

सुरक्षा और निगरानी पर सवाल - चोरी की इस बड़ी वारदात ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की निगरानी को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वैलरी शोरूम में करोड़ों की चोरी ने पुलिस के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। आरोपी दूसरे शहर से कटनी पहुंचे। यहां जरूरी सामान खरीदा। रेकी की और रात में बड़ी वारदात को अंजाम देकर रेलवे स्टेशन से निकल भी गए। अब पुलिस के सामने सिर्फ आरोपियों को पकड़ने की चुनौती नहीं है, बल्कि यह भी पता लगाना है कि इतनी बड़ी वारदात की योजना बनाने में उन्हें किस स्तर पर मदद मिली और चोरी के बाद आभूषण कहां खपाने की तैयारी थी।

पेशेवर अपराधियों ने दिया वारदात को अंजाम : आईजी - घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद आईजी प्रमोद वर्मा ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि अब तक की जांच में वारदात में 6 से 7 लोगों के शामिल होने के संकेत मिले हैं। इनमें अधिकांश पेशेवर अपराधी हैं और उनके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर पुराने गिरोह द्वारा वारदात को अंजाम दिया जाना लग रहा है। उन्होंने बताया कि झारखंड के साहिबगंज इलाके से इस गिरोह को लेकर अहम सुराग मिले हैं। प्रयागराज, दानापुर और साहिबगंज में पुलिस की टीमें पड़ताल कर रही हैं। आईजी के अनुसार चोरी गए माल का आकलन शोरूम संचालक से मिले दस्तावेजों के आधार पर किया जा रहा है। फिलहाल चोरी की रकम 15-16 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है। आइजी श्री वर्मा ने बताया कि इस मामले में कुछ संदिग्धों को चिन्हित किया गया है। गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें उत्तरप्रदेश के प्रयागराज, बिहार के दानापुर और झारखंड के कई शहरों में पहुंचकर स्थानीय पुलिस के सहयोग से जांच कर रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।



रेलवे ने घर पहुंचकर बनाए 49 पेंशनरों के डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र

छनेरा में मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक की पहल, बुजुर्ग और अस्वस्थ पेंशनरों को मिली बड़ी राहत

भोपाल, यश भारत।

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने पेंशनरों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए घर-घर जाकर डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) बनाने की पहल की है। इसी क्रम में शुक्रवार को छनेरा में मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक ने रेलवे पेंशनरों के आवास पर पहुंचकर 49 डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र तैयार किए। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों और अस्वस्थ पेंशनरों को जीवन प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कार्यालयों या अन्य स्थानों पर जाने की परेशानी से बचाना है। रेलवे कर्मचारी कल्याण विभाग की टीम घर पहुंचकर यह सुविधा उपलब्ध करा रही है जिससे पेंशनरों को काफी सहूलियत मिल रही है। मंडल रेल प्रशासन के अनुसार पेंशनरों की सुविधा और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए इस तरह के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। घर पर ही डिजिटल प्रमाण पत्र बनने से बुजुर्गों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिली है। रेलवे की इस पहल की पेंशनरों ने सराहना की है।

दीपावली मिलन समारोह में शामिल हुए विधायक भगवानदास सबनानी

भोपाल, यश भारत। दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 32 में शुक्रवार को पार्षद एवं जोन अध्यक्ष आरती राजू अनेजा द्वारा दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें विधायक भगवानदास सबनानी शामिल हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर विधायक सबनानी ने उपस्थित लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए मिष्ठान खिलाकर मुंह मीठा कराया। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व समाज में एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। यह त्योहार केवल घरों को ही नहीं, बल्कि लोगों के दिलों को भी रोशन करने का संदेश देता है। उन्होंने सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

निर्बाध बिजली और राजस्व वसूली पर बिजली कंपनी सख्त

फेल ट्रांसफार्मरों की वापसी और बकायादारों के कनेक्शन काटने की कार्रवाई में तेजी लाने को कहा

भोपाल, यश भारत।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने शुक्रवार को मिसरोद स्थित कार्यालय में भोपाल शहर की विद्युत आपूर्ति तकनीकी कार्यों और राजस्व वसूली की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने और निर्धारित समय-सीमा में राजस्व लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने प्रत्येक 11 केवी फीडर का सिंगल लाइन डायग्राम तैयार कर वितरण ट्रांसफार्मरवार उपभोक्ता इंडेक्सिंग पूरी करने को कहा। फेल ट्रांसफार्मरों को एरिया स्टोर में जमा कराने और डीटीआर सर्वे व रीकंडीशनिंग कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए एमडी ने सक्रिय और निष्क्रिय बकायादारों से समयबद्ध वसूली करने तथा नियमानुसार बिजली कनेक्शन काटने को कहा। अटलांटिस और प्राइड सिटी उपकेंद्रों के खराब स्विचगियर के स्थायी समाधान के लिए कंपनियों का पैनल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने हिनोतिया फीडर के रखरखाव की समीक्षा के साथ मिसरोद उपकेंद्र का निरीक्षण किया। परिसर की सफाई और 8 एमवीए ट्रांसफार्मर का आगामी सप्ताह में निर्धारित रखरखाव कराने के निर्देश भी दिए।



कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय ने किया शुभारंभ

भेल स्थापना दिवस पर एक लाख पौधारोपण अभियान शुरू



भोपाल, यश भारत।

भेल भोपाल में शुक्रवार को स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। प्रशासनिक भवन परिसर में कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय ने भेल ध्वज फहराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान भेल गीत का प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक डीआरओ यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधि अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। स्थापना दिवस के अवसर पर भेल ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रगति वन गोविंदपुरा स्थित आठ नंबर गेट के पास एक लाख पौधारोपण अभियान शुरू किया। कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में शुरू हुए इस अभियान का मार्गदर्शन महाप्रबंधक (मानव संसाधन) हेमराम पटेल करेंगे। वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) समीर पॉल अभियान के समन्वय में सहयोग करेंगे। अभियान का उद्देश्य भेल उपनगरीय क्षेत्र में हरित क्षेत्र का विस्तार जैव विविधता को बढ़ावा और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखना है। इस पहल के माध्यम से भेल ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

89 हजार घरों का सर्वे, 4208 घरों में मिला मच्छरों का लार्वा

भोपाल में डेंगू के 206 और मलेरिया के 13 मरीज मिले

भोपाल, यश भारत।

राजधानी में डेंगू और मलेरिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं नगर निगम ने विशेष अभियान शुरू किया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक जिले में डेंगू के 206 और मलेरिया के 13 पॉजिटिव मामले सामने आए हैं। सितंबर से अब तक 89 हजार 702 घरों का सर्वे किया गया जिसमें 4208 घरों में मच्छरों का लार्वा मिला। वहीं 6 लाख 38 हजार 591 कंटेनरों की जांच में 5023 कंटेनरों में लार्वा पाया गया जिसे नष्ट किया गया। मलेरिया जांच के निर्धारित लक्ष्य का 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है। रोकथाम के लिए घर-घर सर्वे फॉगिंग लार्विसाइड छिड़काव और जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जल स्रोतों में 1 लाख 5 हजार गैम्बोसिया मछलियां भी छोड़ी गई हैं। नगर निगम ने नियमों का उल्लंघन करने वालों पर स्पॉट फाइन लगाने के निर्देश दिए हैं।



महिला एशियन हॉकी चैंपियनशिप को लेकर भोपाल में तैयारियां तेज

19 नवंबर से छह देशों की टीमें दिखाएंगी दमखम, मंत्री विश्वास सारंग ने शिक्षण संस्थानों से युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की अपील की

भोपाल, यश भारत। आगामी 19 नवंबर से भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में आयोजित होने वाली महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2026 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। आयोजन को जन उत्सव बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने टीटी नगर स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों के साथ बैठक की। इसमें प्रतियोगिता के प्रचार-प्रसार और विद्यार्थियों की भागीदारी पर चर्चा हुई। मंत्री सारंग ने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से भोपाल को वैश्विक खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। प्रतियोगिता में छह देशों की महिला हॉकी टीमें हिस्सा लेंगी। उन्होंने स्कूल-कॉलेजों से अधिक से अधिक विद्यार्थियों को स्टेडियम तक लाने की अपील की। उन्होंने बताया कि नाथू बरखेड़ा के हॉकी मैदान को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से कैटेगरी 1 प्रमाणपत्र मिला है। हैदराबाद के बाद भोपाल देश का दूसरा शहर है, जहां यह सुविधा उपलब्ध है। सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश खेल रैंकिंग में 17वें से तीसरे स्थान पर पहुंचा है।

अंतिम संस्कार से लौट रहे भजन गायक की हादसे में मौत





बेटे की मौत का सदमा बर्दाश्त नहीं कर सके पिता ने भी तोड़ा दम

परसवारा में दर्दनाक दुर्घटना, बरही में शोक की लहर

बरही/कटनी, यशभारत। सिहोरा के हरदुआ से अपने मौसिया के अंतिम संस्कार के उपरांत बाइक से माता-पिता के साथ घर लौट रहे बरही के डोकरिया गांव के भजन गायक दिलीप तिवारी सड़क हादसे में मौत की नींद सो गए। इस हादसे में उनके पिता विश्वनाथ तिवारी और मां राधा तिवारी भी बुरी तरह जख्मी हो गए। बेटे की मौत के सदमे के बीच घायल पिता ने भी दम तोड़ दिया। यह सड़क हादसा बरही थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम परसवारा के पास 2 बाइकों की सीधी भिड़ंत से हुआ। घायल राधा तिवारी को बरही से प्राथमिक उपचार के बाद कटनी रिफर किया गया। इस दर्दनाक घटनाक्रम से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई। हादसे ने एक ही परिवार की खुशियां छीन लीं।

जानकारी के अनुसार बरही के डोकरिया गांव निवासी भजन गायक दिलीप तिवारी अपने माता पिता के साथ सिहोरा के हरदुआ से मौसिया के अंतिम संस्कार में शामिल होकर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम परसवारा के पास दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में 40 वर्षीय दिलीप तिवारी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पिता विश्वनाथ तिवारी और मां राधा तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए बरही अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए विश्वनाथ तिवारी और राधा तिवारी को कटनी रिफर किया जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में विश्वनाथ तिवारी ने भी दम तोड़ दिया। बेटे की मौत के बाद पिता की भी मौत की खबर से परिवार और गांव में मातम पसर गया।







सुरीली आवाज से जादूगर थे दिलीप

अपनी सुरीली आवाज से भजनों के माध्यम से लोगों के हृदय में भक्ति और श्रद्धा का संचार करने वाले भजन गायक, सरस्वती विद्यालय बरही के आचार्य दिलीप तिवारी बरही के ग्राम डोकरिया निवासी विश्वनाथ तिवारी के पुत्र थे। दिलीप तिवारी केवल भजन गायक ही नहीं, बल्कि अपनी मधुर आवाज और गायन की अनूठी शैली से लोगों के दिलों में खास जगह बनाने वाले कलाकार थे। उनके भजनों में ऐसी मिठास और भावनात्मक गहराई थी, जो सुनने वालों को मंत्रमुग्ध कर देती थी। उनकी आवाज क्षेत्र के धार्मिक आयोजनों और भजन संध्याओं की पहचान बन चुकी थी। कितना पीड़ादायक है कि जिस आवाज ने अब तक अनगिनत हृदयों में भक्ति के स्वर घोले, वह आवाज आज हमेशा के लिए खामोश हो गई। उनका यूं अचानक दुनिया से विदा हो जाना परिवार, शुभचिंतकों और चाहने वालों के लिए कभी न भरने वाली क्षति है।

सरस्वती विद्यालय में आचार्य के रूप में दे रहे थे सेवाएं

वे सरस्वती विद्यालय बरही में आचार्य के रूप में भी सेवाएं दे रहे थे। डोकरिया निवासी विश्वनाथ तिवारी के पुत्र दिलीप अपनी सुरीली आवाज के माध्यम से भजनों में भक्ति और श्रद्धा का संचार करते थे। एक ओर जवान बेटे की असमय मौत और दूसरी ओर पिता का भी दुनिया से चले जाना, इस परिवार पर दुखों का ऐसा पहाड़ टूटा है जिसकी कल्पना भी विचलित कर देती है। मां राधा तिवारी के घायल होने के बीच परिवार पर आई इस दोहरी विपदा से डोकरिया गांव सहित पूरे बरही क्षेत्र में शोक का माहौल है।

शहपुरा रेलवे पोडी फाटक नहीं खुलेगा तकनीकी मानको के आधार पर परीक्षण

ध्वस्त ओवर ब्रिज के पास बनेगा रेलवे अंडर ब्रिज

आवागमन हेतु विकल्पिक रास्तो का होगा निर्माण



शहपुरा (भिटोनी) यश भारत। नेशनल हाईवे 45 पर फ्लाई ओवर ध्वस्त होने के होने के बाद फ्लाई वह निर्माण में हो रही देरी को देखते हुए आवागवन की परेशानी को दूर करने के लिए शुक्रवार को शहपुरा में सांसद आशीष दुबे बरगी विधायक नीरज सिंह ठाकुर और पश्चिम मध्य रेलवे मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा सहित रेलवे एवं जिला प्रशासन पुलिस के अधिकारियों के साथ भिटोनी स्टेशन और आसपास के रेलवे ट्रैक क्षेत्र का स्थल निरीक्षण किया गया जिसमें सर्वप्रथम पौड़ी फाठक खोलने की मांग को देखते हुए जब वरिष्ठ रेलवे अधिकारों निरीक्षण किया तो स्पष्ट कहा गया कि यह फाटक तकनीको कारण वश नहीं खुल सकता आवागवन हेतु ध्वस्त रेलवे ओवर ब्रिज के पास अंडर ब्रिज बनाने की योजना तैयार की जा रही है

यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने

संभावित वैकल्पिक मार्गों का निरीक्षण किया

जबलपुर जिले में शहपुरा सहजपुर मटर मंडी में किसानों और कृषि वाहनों की बढ़ती आवाजाही को सुगम बनाने के लिए शासन प्रशासन ने कमर कस ली है। रोजाना सैकड़ों



ट्रैक्टरों की आवाजाही से पैदा होने वाली यातायात संबंधी चुनौतियों को देखते हुए सांसद आशीष दुबे विधायक नीरज सिंह रेलवे से डी आर एम कमल कुमार ताल रेजा सीनियर डीसीएम शशांक गुप्ता

एडीएन रेल अधिकारियों ने शहपुरा क्षेत्र पहुंचकर संभावित वैकल्पिक मार्गों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य शहपुरा, चरगवां, बेलखेड़ा और गोटेगांव से मटर लेकर सहजपुर मंडी पहुंचने वाले किसानों को सुगम रास्ता उपलब्ध कराना है। अधिकारियों के मुताबिक, इस क्षेत्र से प्रतिदिन लगभग 300 से 500 ट्रैक्टर मटर लेकर मंडी पहुंचते हैं। ऐसे में मुख्य मार्गों पर दबाव कम करना जरूरी हो गया है। सांसद विधायक और अधिकारियों ने कुछ दिन पूर्व नेशनल हाईवे 45 पर बने ओवर ब्रिज का टूटने से आवागमन की परेशानियों को देखते हुए जहां धराशाई ओवर ब्रिज का निरीक्षण करते हुए वहां पर अंडर ब्रिज बनाने की तैयारी को लेकर अधिकारियों द्वारा प्रपोजल तैयार किया गया कैथरा फाटक के पास पुराने रेलवे अंडरब्रिज और शहपुरा मंडी के पीछे भिटौनी रेलवे स्टेशन तक जाने वाले रास्ते का भी निरीक्षण किया।अब प्रशासन के सामने चुनौती इन वैकल्पिक रास्तों को व्यावहारिक रूप से तैयार करने और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने की है। यदि योजना प्रभावी ढंग से लागू होती है, तो किसानों को मंडी तक पहुंचने में राहत मिल सकती है।आगामी मटर सीजन को देखते हुए किसानों की उपज का सुगम परिवहन सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान तीन संभावित मार्गों का जायजा लेकर अस्थायी एवं स्थायी समाधान की संभावनाओं पर चर्चा की तथा इस दिशा में शीघ्र आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के अधिकारियों को निर्देश दिए, ताकि क्षेत्रवासियों को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

सांसद ने अधिकारियों से कहा कि सामाधन ऐसा होना चाहिए जिससे ग्रामीणओं किसानों आम नगरीकों को सुनिश्चित व सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके विशेष रूप से कृषि उपज को लेकर आने जाने वाले ट्रैक्टर ट्रालियों की जरूरत को ध्यान रखा जाए डीआरएम कमल कुमार तलरेजा ने बताया कि शीघ्र अंडर रेलवे ब्रिज का प्रपोजल तैयार किया जा रहा है तीनों विकल्पों को मार्गों का रेलवे की तकनीकी टीम सुरक्षा और तकनीकी मांगों के आधार पर परीक्षण करेगी आवश्यकता अनुसार फेंसिंग हाइट गेज सिग्नल और सिविल इंजीनियरिंग से संबंधित कार्य भी किए जाएंगे रेलवे परिचालन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन किया जाएगा बरगी विधायक नीरज सिंह ने कृषि वाहनों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए शासन प्रशासन से को साथ लेकर कमर कस ली है उन्होंने कहा है शीघ्र विकल्प रास्तों का निर्माण होगा.



एसबीआई ने दी बच्चों को साइबर सुरक्षा की जानकारी

बरेला। आज के डिजिटल युग में जहाँ बच्चे पढ़ाई, ऑनलाइन क्लासेज और मनोरंजन के लिए तेजी से इंटरनेट और स्मार्टफोन का उपयोग कर रहे हैं, वहीं साइबर ठगी का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए हाल ही में एक विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बस स्टैंड बरेला में किया गया, जिसमें भारतीय स्टेट बैंक विजय नगर के उप प्रबंधक गौरव त्रिवेदी द्वारा एवं एसबीआई बरेला के बैंक मैनेजर विजय लक्ष्मी बघेल ने बच्चों को डिजिटल दुनिया के खतरों और उनसे बचने के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

डिजिटल साक्षरता और सतर्कता: एसबीआई मैनेजर ने सरल और रोचक अंदाज में बच्चों को समझाया कि इंटरनेट जितनी काम की चीज़ है, उतनी ही असावधानी बरतने पर खतरनाक भी हो सकती है।

ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव: बच्चों को फिशिंग लिंक्स, फर्जी ऑनलाइन गेमिंग ऑफर्स, लॉटरी के झांसों और अनजान कॉल्स या मैसेजेस से सावधान रहने की हिदायत दी गई।

पासवर्ड और निजी जानकारी की सुरक्षा: मैनेजर ने जोर देकर कहा कि अपने पासवर्ड, बैंक डिटेल्स या घर के किसी भी सदस्य की वित्तीय जानकारी कभी भी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें।

माता-पिता और शिक्षकों की मदद: बच्चों को यह भी सिखाया गया कि यदि उन्हें इंटरनेट पर कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे या कोई परेशान करे, तो वे तुरंत अपने माता-पिता, शिक्षकों या पुलिस की मदद लें।

क्यों जरूरी है ऐसी पहल?

आज के बच्चे 'डिजिटल नेटिव' हैं, जो बहुत कम उम्र में ही तकनीक से जुड़ जाते हैं। ऐसे में एसबीआई मैनेजर द्वारा की गई यह पहल बेहद सराहनीय रही। इस कार्यक्रम से बच्चों में न केवल साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ी, बल्कि वे भविष्य में एक जिम्मेदार और सुरक्षित डिजिटल नागरिक बनने के लिए भी प्रेरित हुए।कार्यक्रम के अंत में बच्चों और शिक्षकों ने बैंक मैनेजर का आभार व्यक्त किया और खुद भी सतर्क रहने तथा अपने आस-पास के लोगों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया इस अवसर पर आशीष पंड्या प्राचार्य,सतीश चौबे, मंजुला,हेमलता राजोरिया,रजनीश पांडेय, जगरूप पटेल,मोहित नाथ, राम कृष्ण पटेल,अतुल नामदेव, डॉ शुभम जैन, अर्चना गोप,नीलिमा श्रीवास्तव, अंजना ढिमोले,अरुणा रौतेल,सोनाली ठाकुर, हेमलता राजोरिया, दीपिका दोहरे, मनीषा कश्यप,दीपा तिवारी, शिवांगी गुप्ता,शशि लोधी, पैजी डेनियल, स्वाती मुखर्जी, सुनीता शुक्ला,रचना मेहरा,मधु सिंह,रश्मि पटेल,भावना यादव आदि उपस्थित थे। ।

आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 1 के नए भवन का हुआ लोकार्पण



अब नहीं होगी संचालन में परेशानी

गोसलपुर, यशभारत। ग्राम पंचायत गोसलपुर के अंतर्गत लंबे समय से प्रतीक्षित आंगनवाड़ी केंद्रक्रमांक 1 के नए भवन का लोकार्पण शुक्रवार को धूमधाम के साथ संपन्न हुआ नए भवन मे अब आंगनबाडी शुरू होने से अब केंद्र के संचालन में आ रही परेशानियों से निजात मिलेगीपहले आंगनवाड़ी केंद्र सामुदायिक भवन में संचालित हो रहा था, जिसके कारण बच्चों को बैठने, पोषण आहार वितरण और टीकाकरण जैसे कार्यों में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था अब अपना पक्का भवन बन जाने से नौनिहालों को बेहतर सुविधा मिल सकेगीलोकार्पण कार्यक्रम मे जनपद सदस्य धर्मेंद्र सिंह राजपूत सरपंच श्रीमती गिरिजा जितेंद्र पालीवाल सचिव प्रदीप यादव सहायक सचिव नारायण यादव आंगनवाड़ी कार्यकर्ता माया झारिया कन्या शाला की शिक्षिकाऐ व पंचगणऔर ग्रामीण महिलाओं की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर नए भवन का शुभारंभ किया गयाइस अवसर पर जन प्रतिनिधियों ने कहा की आंगनवाड़ी केंद्र ग्रामीण क्षेत्र की रीढ़ है, यहाँ बच्चों का भविष्य गढ़ा जाता है सरकार का उद्देश्य हर आंगनवाड़ी को सभी सुविधाओं से युक्त बनाना है नए भवन में बच्चों के लिए खेल-कूद, पेयजल, शौचालय और रसोई की समुचित व्यवस्था की गई हैकार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे नए भवन को देखकर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी।

ओवरलोड हाइवा की मार से जर्जर हुई टिकरिया गांव की पुलिया

बीच से फटी सड़क दे रही मौत को दावत

कभी भी टूट सकती है पुलिया - टूटी तो 15 गांवों का टूटेगा संपर्क, प्रशासन मौन



गोसलपुर, यशभारत। सिहोरा तहसील के एन. एच. 30 गोसलपुर बरनू तिराहा से पौंडी अगरिया मार्ग पर टिकरिया के पास वेयरहाउस के समीप बनी पुलिया इन दिनों किसी बड़े हादसे का खुला निमंत्रण दे रही है ओवरलोड हाईवा और खनिज परिवहन करने वाले भारी-भरकम वाहनों की दिन-रात धमा-चौकड़ी के चलते पुलिया के बीचो-बीच 4 से 5 इंच चौड़ी लंबी दरार आ गई है।

जो तस्वीर में साफ देखा जा सकता है सड़क का डामर पूरी तरह उखड़कर दो हिस्सों में बंट गया है और दरार लगातार बढ़ती जा रही है पुलिया के नीचे का हिस्सा खोखला हो चुका है। भारी वाहन गुजरने पर पुलिया में कंपन महसूस होता है ग्रामीणों का कहना है की रात के समय यह दरार दिखाई नहीं देती, जिससे दोपहिया वाहन चालक सीधे हादसे का शिकार हो सकते हैं।

वर्षों पुरानी पुलिया, नहीं झेल पा रही ओवरलोड का बोझ

स्थानीय लोगों ने बताया की यह पुलिया आज से 15-20 साल पहले प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनाई गई थी तब इसे केवल हल्के वाहनों और ग्रामीण आवागमन के हिसाब से बनाया गया था। लेकिन पिछले 2-3 सालों से आसपास की खदानों से निकलने वाले 40-50 टन ओवरलोड हाइवा इसी मार्ग से निकल रहे हैं। क्षमता से अधिक वजन के कारण पुलिया जवाब देने लगी है।

टूटी तो थम जाएगा कई गांवों का जीवन

यह कोई सामान्य पुलिया नहीं, बल्कि अगरिया, टिकरिया, झांसी, सिलुवा और मझंगवा सिलौडी से जोड़ने वाली लाइफ लाइन है इसी मार्ग से बच्चे स्कूल जाते हैं किसान अपनी फसल मंडी ले जाते हैं और मरीज अस्पताल पहुंचते हैं।

ग्रामीण जन शैलेश पटेल सीताराम पटेल उमाशंकर तिवारी हरेंद्र पटेल दिलीप साहू अजीत मिश्रा मोहन राय कोमल सिंह राजभर ने चेतावनी दी है की अगर समय रहते मरम्मत नहीं हुई और पुलिया टूट गई तो 15 से अधिक गांवों का आवागमन पूरी तरह से ठप हो जाएगा लोगों को 8 से 10 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाकर आना-जाना पड़ेगा

ग्राम पंचायत के सरपंच संजय सिंह राजपूत सहित ग्रामीणों ने बताया की इस संबंध में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनापीडब्लूडी विभाग जनपद पंचायत सिहोरा और एसडीएम कार्यालय में कई बार लिखित और मौखिक शिकायत की जा चुकी है लेकिन आज तक कोई भी अधिकारी मौके पर निरीक्षण करने तक नहीं आया ग्रामीणों कीांग है की तत्काल पुलिया का निरीक्षण कर मरम्मत कार्य शुरू किया जाए,पुलिया पर भारी ओवरलोड वाहनों के प्रवेश पर तत्काल रोक लगाई जाए, रात में हादसा रोकने के लिए दरार के पास संकेतक और बैरिकेड लगाए जाएं।

बरेला में बढ़ती चोरी और आपराधिक घटनाओं पर व्यापारी संघ सख्त, डीएसपी को सौंपा ज्ञापन



बरेला। नगर में लगातार बढ़ रही चोरी एवं आपराधिक घटनाओं को लेकर बरेला व्यापारी संघ ने चिंता जाहिर करते हुए पुलिस प्रशासन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित कराया। व्यापारी संघ के अध्यक्ष एडवोकेट मुकेश साहू के नेतृत्व में संघ के संरक्षकगण, पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने डीएसपी महोदया निकिता सिंह को ज्ञापन सौंपकर नगर में बढ़ती चोरी एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की।ज्ञापन सौंपने के उपरांत व्यापारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने डीएसपी महोदया के साथ नगर की सुरक्षा व्यवस्था एवं व्यापारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर सार्थक चर्चा की। इस दौरान व्यापारियों ने नगर में शांति एवं सुरक्षा का वातावरण बनाए रखने, चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने तथा पुलिस गश्त को प्रभावी बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी बात रखी।इस अवसर पर व्यापारी संघ के अध्यक्ष एडवोकेट मुकेश साहू सहित अरविंद तिवारी, कैलाश केशरवानी, अजय पटेल, रजनीश जैन, मुकेश जैन, योगेश दुबे, बावी जैन, रूबी चौकसे, मोंटी साहू, शिवम गुप्ता सहित अनेक व्यापारीगण उपस्थित रहे। व्यापारी संघ ने उम्मीद जताई कि पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, जिससे नगर में सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हो सके और व्यापारी एवं आम नागरिक भयमुक्त वातावरण में अपना जीवन एवं व्यवसाय संचालित कर सकें।

दूसरों की प्रशंसा और अपनी निंदा करना ही परमात्मा की अर्चना है



पनागर, यशभारत। जो सुख उत्पन्न करने वाले मीठे वचन बोलना है परंतु कार्य इससे विपरीत करता है जो दुर्बुद्धि से युक्त हो,सांप के समान मन से कभी कुटिलता को नहीं छोड़ता है,जो क्रोध से आकुलित हो दूसरों की विभूति को सहन नहीं करता है,और ना उसके गुण हो , उस लोक निंदित दुर्जन की कौन बुद्धिमान सेवा कर सकता है वह सदैव दूसरों का अहित ही करता है। जो पुण्य कार्य को करने से रोके वही पाप है और पाप कार्य न करने दे वही पुन्य है। दूसरों की प्रशंसा और अपनी निंदा करना ही परमात्मा की अर्चना करना है।उपरोक्त मांगलिक प्रवचन आज बड़े जैन मंदिर में सम्यक्त्व कौमुदी की क्लास में पूज्य मुनि108 निर्दोष सागर महाराज जी ने व्यक्त किया । आज पूज्य मुनि संघ के दर्शन हेतु मुंबई निवासी प्रशांत जैन पूर्व हेड एचडीएफसी म्युचुअल फंड, एवं 3श इन्वेस्टमेंट के रूष, तथा उनकी पत्नी श्रीमती दिव्या जैन जी पनागर मुनिसंघ के दर्शन एवं बड़े बाबा श्री 1008 शांतिनाथ भगवान जी के दर्शन हेतु पहुंचे ,जैन समाज के वरिष्ठ जनों ने उनका भव्य स्वागत किया। आज प्रवचन के दौरान अपने पूज्य मुनि श्री का पाद प्रक्षालन कर पुण्य अर्जन किया पूज्य मुनि श्री 108 निर्दोष सागर महाराज जी, एवं पूज्य मुनि श्री 108 निर्लोप सागर जी महाराज एवं मुनि संघ द्वारा उन्हें आराध्याय सूत्र एक और दो ग्रंथ प्रदान किया इस अवसर पर श्री जैन प्रबंध कारनी सभा पनागर एवं सकल जैन समाज के द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं शाल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

45 वीं राज्यस्तरीय जूनियर खो-खो में दोनों वर्गों में जबलपुर का दबदबा



जबलपुर। 45 वीं राज्यस्तरीय जूनियर खो-खो प्रतियोगिता दिनांक 11 से 13 नवम्बर एम.एल.बी. खेल परिसर में खेली गयी जिसमें आज कार्यक्रम के मुख्य अतिथि म.प्र. ओलम्पिक संघ सचिव दिग्विजय सिंह योगेंद्र दुबे, विशिष्ट अतिथि आराधना मालवीय का स्वागत म.प्र. एमेच्योर खो-खो संघ के सचिव संजय यादव, विनोद पोद्दार, नैंसी जैन, आफरीन शेख ,पूजा बर्मन ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रतियोगिता के दौरान शेखर मिश्रा ,सुभाष मांझी, नागेंद्र सिंग ,दीपक कुमार नर्मदा प्रसाद ऋतिक विशेष रूप से उपस्थित रहे ।बालिका वर्ग सेमीफाइनलः पहला सेमीफाइनल नरसिंहपुर और खण्डवा के बीच खेला गया जिसमें खण्डवा 4 अंक से विजेता रहा। दूसरा मैच जबलपुर और मण्डला के बीच खेला गया जिसमें जबलपुर 5-1 पारी से विजेता बना।बालक वर्ग सेमीफाइनलः पहला सेमीफाइनल जबलपुर विरुद्ध विदिशा के मध्य खेला गया जिसमें जबलपुर 2 अंकों से विजेता रहा। मण्डला और बैतूल के बीच दूसरा सेमीफाइनल खेला गया जिसमें बैतूल 2 अंकों से विजेता रहा। बालिका वर्ग फाइनलः फाइनल मैच खण्डवा और जबलपुर के बीच खेला गया जिसमें जबलपुर 4 अंकों से विजेता रहा। * बालक वर्ग फाइनलः फाइनल मैच जबलपुर विरुद्ध बैतूल के बीच खेला गया जिसमें जबलपुर 3 अंकों से विजेता रहा।इस प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश टीम का चयन किया गया है जो 21 नवम्बर से 25 नवम्बर तक बड़ौदा (गुजरात) में 45 वीं राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता में भाग लेगी। इनका कोचिंग कैम्प महाराष्ट्र व्यायाम शाला में लगाया जायेगा।इस प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका चन्द्रशेखर स्वामी, उषा संधोकर, गोल्डी गुप्ता, शुभम काछी, विवेक यादव, बासु कोरी, अरुण काछी और मोनिका मेहता ने निभाई।

अंडर 16 गोलबाजार कप

गोलबाजार क्रिकेट एकेडमी ने खिताब जीता



जबलपुर। महाकौशल शहीद स्मारक ट्रस्ट और गोल बाजार क्रिकेट अकादमी के तत्वाधान में अंडर 16 इंटर क्लब लीग फॉर्मेट क्रिकेट गोल बाजार कप का आयोजन किया गया शहीद स्मारक गोलबाजार मैदान पर निर्धारित 30 - 30 ओवर मैच किया गया है, गोलबाजार क्रिकेट अकादमी और एलीट क्रिकेट अकादमी जिसमें गोलबाजार क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 291 रन बनाए मनोनीत नाथन 78, यश पटेल 50, केशव विश्वकर्मा 32, अरमान 29, राघव गुप्ता 26, मोक्ष शुक्ला 23 रनों का योगदान दिया एलीट क्रिकेट अकादमी की ओर गेंदबाजी करते हुए संस्कार, वेदांश, ईश्वर 2-2 हमज़ा, अनिकेत, आकर्षित 1-1विकेट लिया।

292 के जबाब में एलिट क्रिकेट अकादमी ने 17.1ओवरों 83 रन बनाए, जिसमें संस्कार 29, उत्कल नाग 22 रन बनाए, गोलबाजार क्रिकेट एकेडमी की ओर से गेंदबाजी में आर्थिक तिवारी अनुभव वर्मा 2-2, निहाल, अरमान ने 1-1 विकेट लिए, यह मैच गोलबाजार क्रिकेट एकेडमी ने 208 रनों से जीत लिया, इस मैच में मैन ऑफ द मैच मनोनीत नाथन, बेस्ट बैट्समैन मनोनीत नाथन, बेस्ट ऑल राउंडर अरमान अस्सैया, बेस्ट विकेट कीपर उत्कल नाग, बेस्ट बॉलर आर्थिक तिवारी और उभरते खिलाड़ी का पुरस्कार यश बेन, यश पटेल, उत्कल नाग, उत्तम यादव को गोलबाजार क्रिकेट एकेडमी के उपाध्यक्ष एवं सचिव के द्वारा दिया गया।

13 से 22 नवंबर तक डीसी

कॉलेज में लगेगा वार्षिक शिविर

शाहनगर, यशभारत। युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने के उद्देश्य से शाहनगर के 35 एनसीसी कैडेट वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने के लिए कटनी रवाना हुए। 32 एम बटालियन एनसीसी कटनी के अंतर्गत आयोजित यह शिविर 13 से 22 नवंबर तक डीसी कॉलेज कटनी में आयोजित होगा। विद्यालय के एनसीसी प्रभारी एवं सेकंड ऑफिसर अखिलेश मिश्रा के मार्गदर्शन में कैडेट्स को विद्यालय प्राचार्य बी.एल. पांडेय ने शुभकामनाएं देकर रवाना किया। उन्होंने कैडेट्स को शिविर में अनुशासन, समर्पण और टीम भावना के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की सीख दी।

जागेश्वर प्रसाद कछवाहा का निधन

कुंडम। ग्राम कुण्डम के नगर मध्य स्थित काले बाबा मंदिर में स्व. श्री जागेश्वर प्रसाद कछवाहा के निधन हो जाने से शोक सभा का आयेजन सार्वजनिक रामायण मण्डल काले बाबा चौक कुण्डम के द्वारा आयोजित किया गया । मृत आत्मा की शांति के लिये मानस साप्ताहिक पाठ किया गया । इस शोक सभा में स्व. श्री जागेश्वर प्रसाद कछवाहा अध्यक्ष सार्वजनिक रामायण मंडल काले बाबा मंदिर के जीवन पर प्रकाश डाला गया ।मृत आत्मा की शांति के लिये अंत में मौन रखकर मृत आत्मा को शांति प्रदान हेतु उनके परिवारजनों को सहन शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई ।

श्रेयस अय्यर सबसे कम एकदिवसीय खेलकर कप्तानी हासिल करने वाले खिलाड़ियों में शामिल



माउंट माउंगानुई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तानी संभालते ही एक रिकार्ड अपने नाम किया है। वह एकदिवसीय प्रारुप में कमान संभालने वाले 29 वें कप्तान बने है। यह पहली बार है जब उन्होंने 50 ओवर के प्रारूप में टीम की बागडोर संभाली है। इस अहम भूमिका को निभाने से पहले, श्रेयस ने भारतीय टीम की ओर से 85 एकदिवसीय मैच खेले थे। इस प्रकार वह सबसे कम मैच खेलकर कप्तानी हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गये हैं।

श्रेयस का 85 मैचों के बाद ही एकदिवसीय में कप्तानी संभालना भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक रोचक आंकड़ा पेश करता है। भारतीय टीम के कई दिग्गज खिलाड़ियों ने पहली बार एकदिवसीय कप्तानी संभालने से पहले 100 या उससे भी अधिक मैच खेले थे। इस सूची में सबसे ऊपर भारतीय क्रिकेट के महान स्पिनर अनिल कुंबले हैं, जिन्होंने 217 एकदिवसीय मैच खेलने के बाद पहली बार भारत की कमान संभाली थी। इस सूची में वीरेंद्र सहवाग ने सबसे कम 70 एकदिवसीय खेलकर कप्तानी की थी, जबकि हार्दिक पंड्या ने 71 एकदिवसीय खेलने के बाद यह जिम्मेदारी संभाली थी। वहीं महेन्द्र सिंह धोनी ने 81 और सुरेश रैना ने 90 मैच खेलकर कप्तानी संभाली थी। इस तरह, 85 वनडे खेलने के बाद कप्तान बने श्रेयस अय्यर, धोनी (81) और रैना (90) के बीच में आते हैं। दिलीप वेंगसरकर और मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 98-98 एकदिवसीय खेलने के बाद कप्तानी हासिल की थी। रोहित शर्मा ने 171 एकदिवसीय , शिखर धवन ने 142 एकदिवसीय और राहुल द्रविड़ ने 138 एकदिवसीय खेलने के बाद इस प्रारुप में कप्तानी हासिल की थी। अजय जड़ेजा ने भी 129 एकदिवसीय खेलकर कप्तानी की भूमिका संभाली थी।वहीं, महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 119 एकदिवसीय, सौरव गांगुली और के. श्रीकांत ने 111-111 एकदिवसीय, जबकि विराट कोहली ने 104 और गौतम गंभीर ने 100 एकदिवसीय खेलने के बाद ही पहली बार टीम की बागडोर संभाली थी।

डेब्यू मैच में 28 गेंदों में 5 विकेट; 21 साल के महली बियर्डमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ मचाई तबाही

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया वर्सेस इंग्लैंड पहला वनडे पर्थ में खेला जा रहा है। इस मैच में 21 साल के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन महफिल लूट ले गए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ मात्र 28 गेंदों में अपना 5 विकेट हॉल लिया। वह डेब्यू मैच में 5 विकेट हॉल लेने दुनिया के 18वें और ऑस्ट्रेलिया के मात्र दूसरे ही गेंदबाज बने हैं। महली बियर्डमैन से पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए 1988 में टोनी डोडेमेड ने श्रीलंका के खिलाफ पहली बार यह कारनामा किया था। वहीं दुनिया में ऐसा श्रीलंका के उवैस करनैन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 1984 में किया था। ऐसा नहीं है कि महली ने पुछल्ले बल्लेबाजों के विकेट चटकाए हो, उनके इस 5 विकेट हॉल में जो रूट से लेकर हैरी ब्रूक जैसे धकाड़ बल्लेबाज मौजूद हैं। उन्होंने इन दोनों के अलावा सैम करन, लियाम डेवसन और जॉर्डन क्रॉक का विकेट चटकाया।

महली बियर्डमैन ने अपने वनडे करियर की शुरुआत मेडन ओवर से की थी। दूसरे ओवर में उन्होंने हैरी ब्रूक का तो तीसरे ओवर में जो रूट का विकेट चटकाया। इसके बाद उन्हें चौथे ओवर में जॉर्डन क्रॉक और सैम कुर्रन के रूप में 2 विकेट मिले। उन्होंने अपना 5 विकेट हॉल पांचवें ओवर में ही लियाम डेवसन का विकेट लेकर पूरा किया।

- पहले ओवर में मेडन।
- दूसरे ओवर में 1 विकेट।
- तीसरे ओवर में 1 विकेट।
- चौथे ओवर में 2 विकेट।
- पांचवें ओवर में 1 विकेट।

महली बियर्डमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ7.4 ओवर में मात्र 24 रन खर्च कर कुल 6 विकेट चटकाए। उनके इस धाकड़ प्रदर्शन के दम पर इंग्लैंड की पूरी टीम 131 रनों पर ही सिमट गई। महली ने जोफ्रा आर्चर के रूप में अपना 6ठा विकेट लिया।



आईपीएल 2027 मिनी नीलामी के लिए मुस्तफिजुर सहित सात बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने नाम दिये

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 के आगामी मिनी नीलामी में इस बार बांग्लादेश के 7 खिलाड़ी शामिल है। जिसमें एक नाम तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान का भी है। ये वही मुस्तफिजुर रहमान हैं, जो पिछले सत्र में विवादों में रहने के कारण आईपीएल से बाहर कर दिये गये थे। पिछले साल, आईपीएल 2026 से पहले, कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुस्तफिजुर को अपनी टीम में शामिल किया था। हालांकि, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों की खबरों के मद्देनजर उपजे विरोध प्रदर्शनों के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के हस्तक्षेप के बाद, फ्रेंचाइजी ने सीजन की शुरुआत से पहले ही मुस्तफिजुर को बाहर कर दिया



था। इस घटना ने दोनों देशों के क्रिकेट संबंधों में काफी खटास पैदा कर दी थी और एक बड़ा राजनीतिक-सामाजिक विवाद खड़ा हो गया था। इस घटना के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की तरफ से भी कड़ी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। भारत द्वारा 2026 टी20 विश्व कप की मेजबानी का बांग्लादेश ने बहिष्कार किया था।

अब, लगभग दस महीने बाद हालातों में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। आगामी आईपीएल 2027 सीजन के लिए 16 दिसंबर को होने वाले मिनी निलामी के लिए बीसीसीआई ने विभिन्न क्रिकेट बोर्ड्स से खिलाड़ियों की सूची मांगी थी, जिसमें बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड भी शामिल रहा। ऐसे में एक रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के सात खिलाड़ियों ने इस नीलामी के लिए अपना नाम पंजीकृत कराया है। इसमें मुस्तफिजुर रहमान के अलावा, नाहिद राणा, रिशाद हुसैन, हसन महमूद, तौहीद हृदोय, तस्कीन अहमद और शोरफुल इस्लाम शामिल हैं।आईपीएल प्रबंधन की तरफसे नीलामी में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की आधिकारिक सूची अभी जारी नहीं की गई है। इस सूची को जारी होने में अभी कुछ वक्त लगेगा, क्योंकि सभी 10 फ्रेंचाइजी पहले अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जारी करेंगी और रिलीज किए गए खिलाड़ी भी ऑक्शन पूल का हिस्सा बनेंगे।

चीन में पहली बार खेली जाएगी लीजेंड्स टी20 क्रिकेट लीग

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में पहली बार क्रिकेट लीग शुरु होने जा रही है। इससे देश में क्रिकेट को व्यापक पहचान मिलने की उम्मीद है। विश्व चैंपियनशिप ऑफ क्रिकेट (डब्ल्यूसीसी) ने चीन के डोंग्यूहुई स्पोर्ट्स के साथ मिलकर देश की अपनी तरह की पहली फ्रेंचाइजी आधारित लीजेंड्स टी20 लीग शुरू करने की घोषणा की है। आठ टीमों वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का पहला संस्करण मई 2027 में आयोजित किया जाएगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के कई दिग्गज पूर्व क्रिकेटर भाग लेंगे। यह कदम चीन में क्रिकेट के विस्तार और विकास के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, जो खेल को एक नए बाजार में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा क्रिकेट के लिए नए बाजारों की तलाश और लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी को देखते हुए भी इस लीग का महत्व बढ़ जाता है। खेल जानकारों का मानना है कि यह लीग चीन में क्रिकेट के विकास को गति देने और खेल को नए दर्शकों



तक पहुंचाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। इस महत्वाकांक्षी पहल की नींव अक्टूबर 2026 में डब्ल्यूसीसी और डोंग्यूहुई स्पोर्ट्स के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) से रखी गई थी। गौरतलब है कि डोंग्यूहुई स्पोर्ट्स, जियांग्सू प्रांत के ताइचांग स्थित शाक्सी टाउन क्रिकेट सेंटर का संचालन करता है, जो अपनी स्थानीय विशेषज्ञता और उत्कृष्ट खेल सुविधाओं के माध्यम से चीन के बढ़ते खेल बाजार तक विश्वस्तरीय क्रिकेट पहुंचाने में सहायक साबित होगा। वहीं, डब्ल्यूपीसी का संचालन अनुभवी प्रमोटर्स द्वारा किया जा रहा है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय फ्रेंचाइजी आधारित खेल प्रतियोगिताओं के विकास और संचालन का व्यापक अनुभव है।

रंग संसार

सलमान की मातृभूमि के ट्रेलर में दिखा दमदार एक्शन



बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की आगामी फिल्म मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस का ट्रेलर जारी हो गया है। फिल्म में देशभक्ति, सैनिकों के बलिदान और युद्ध के मानवीय पहलुओं को दिखाया गया है। ट्रेलर में सलमान खान एक ऐसे सैनिक की भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो देश की रक्षा के लिए हर चुनौती का सामना करने को तैयार है। फिल्म में एक्शन के साथ भावनात्मक दृश्यों को भी प्रमुखता दी गई है। ट्रेलर की शुरुआत दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्रों में शामिल एक बर्फीले इलाके से होती है। यहां हिमस्खलन के खतरनाक दृश्य दिखाई देते हैं। इसी बीच चीनी सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा के भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की तैयारी करते नजर आते हैं। इसके बाद सलमान खान की दमदार एंट्री होती है। वह एक अनुभवी और बहादुर सैनिक के किरदार में दिखाई देते हैं, जिसमें ताकत के साथ समझदारी भी नजर आती है। ट्रेलर में सलमान की निजी जिंदगी की झलक भी दिखाई गई है। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह फिल्म में उनकी पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। वह अपने पति को सैन्य मिशन पर भेजे जाने को लेकर चिंतित नजर आती हैं। इस दौरान सलमान उन्हें समझाते हैं कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होने वाला आमना-सामना हमेशा गोलीबारी वाली लड़ाई नहीं होता। दोनों देशों के बीच हुए समझौतों का उद्देश्य सैन्य तनाव को बड़े युद्ध में बदलने से रोकना है। फिल्म में सैनिकों की जिंदगी और उनके परिवारों की भावनाओं को भी दिखाया गया है।

देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के लिए ड्यूटी सबसे पहले होती है, लेकिन इसके साथ ही उनके परिवारों को भी कई तरह के भावनात्मक संघर्षों से गुजरना पड़ता है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि सैनिकों के लिए परिवार के साथ बिताया गया हर पल कितना कीमती होता है। सलमान खान अपने एक्शन अवतार में प्रभावशाली नजर आ रहे हैं।

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने बच्चों के लिए अर्थपूर्ण फिल्में बनाने की अपील की

कहा- बालमन की जिज्ञासा को अपनाना जरूरी

मुंबई (यशभारत)। भारतीय सिनेमा की प्रतिभावान अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने बच्चों के मानसिक विकास और मनोरंजन के लिए विशेष रूप से बनाई जाने वाली फिल्मों की आवश्यकता पर बल दिया है। उनका मानना है कि लिटिल थॉमस जैसी फिल्में बच्चों के लिए बेहद महत्वपूर्ण और प्रासंगिक हैं, क्योंकि ऐसी कहानियां बाल दर्शकों को अपने खुद के व्यक्तिगत अनुभवों, मासूम भावनाओं और संवेदनाओं से सीधे तौर पर जोड़ने का अवसर प्रदान करती हैं। इस फिल्म में वे जेसी मिरांडा नामक एक माँ का मुख्य किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस प्रकार का सिनेमा बच्चों का स्वस्थ मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें सवाल पूछने, रचनात्मक कल्पना करने और अपने आसपास की विशाल दुनिया को अपनी समझ के अनुसार परखने की पूरी आजादी देता है। बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण सिनेमा की जरूरत पर विस्तार से बात करते हुए रसिका दुग्गल ने कहा कि सिनेमा किसी भी व्यक्ति की दुनिया को विस्तार देने और उसकी कल्पनाशीलता को नई उड़ान देने का एक बेहद सशक्त माध्यम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इंसान के बड़े होने पर उसके मन में जो तमाम तरह के विचार और दृष्टिकोण विकसित होते हैं, उनका गहरा संबंध



अक्सर बचपन के दिनों में देखी गई फिल्मों और कहानियों से होता है। इसी वजह से फिल्म उद्योग को ऐसी कहानियों का निर्माण अधिक से अधिक करना चाहिए, जिनसे बच्चे खुद को भावनात्मक रूप से जोड़ सकें। उन्होंने कहा कि निर्माताओं को बच्चों की सहज जिज्ञासा को नजरअंदाज करने के बजाय उसे खुले दिल से अपनाना चाहिए। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि बच्चों के लिए बनाई जाने वाली फिल्में बिना हल्की-फुल्की या सतही हुए भी बेहद मनोरंजक हो सकती हैं। उन्होंने देश भर के फिल्म निर्माताओं से अपील की कि वे बाल दृष्टिकोण वाली ऐसी कहानियों की खोज करें और उन पर काम करें, जिन्हें बच्चे न केवल खुशी-खुशी देख सकें बल्कि वे कहानियां उनकी रचनात्मक कल्पना शक्ति के लिए नए-नए दरवाजे भी खोलें। कौशल ओझा के निर्देशन में बनी फिल्म लिटिल थॉमस 1990 के दशक के सुंदर राज्य गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह सात साल के मासूम बच्चे थॉमस और उसके परिवार के जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव को बड़ी ही खूबसूरती से दर्शाती है, जिसकी शैली दर्शकों को मालगुडी डेज और रस्किन बॉन्ड की अमर कहानियों की याद दिलाती है। फिल्म में गुलशन देवैया, रसिका दुग्गल और बाल कलाकार हृदांश पारेख ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।



रामायण देखकर निराश हुए नीतीश भारद्वाज, फिल्म की तारीफ वापस लेने का किया ऐलान

टीवी धारावाहिक महाभारत में भगवान कृष्ण की भूमिका निभाकर लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता नीतीश भारद्वाज फिल्म रामायण देखकर निराश हो गए हैं। उन्होंने फिल्म को लेकर पहले की गई अपनी तारीफवापस लेने की घोषणा की है। अभिनेता का कहना है कि रामायण केवल मनोरंजन की कहानी नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सभ्यतागत विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में इसके पात्रों और उनके मूल चरित्र को अपनी सुविधा के अनुसार बदलकर प्रस्तुत करना उचित नहीं है। नीतीश भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रामायण भारतीय संस्कृति और चेतना में गहराई से बसी हुई है। इसके नायक, नायिका और खलनायक सभी के चरित्र इस महाकाव्य के मूल संदेश और नैतिक मूल्यों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु ने धर्म की रक्षा, परंपराओं को बनाए रखने और मर्यादा की स्थापना के लिए राम अवतार लिया था। ऐसे में फिल्म में रावण को असाधारण रूप से उदार, सामाजिक रूप से न्यायप्रिय और निष्पक्ष दिखाना उन्हें पसंद नहीं आया। अभिनेता के मुताबिक, इस तरह का चित्रण रामायण के मूल नैतिक आधार को प्रभावित करता है। इससे भगवान राम के अवतार लेने के उद्देश्य और कहानी के मूल संदेश की महत्ता भी कमजोर हो सकती है।

दिवाली पार्टी में साथ दिखे हिना खान और राजन शाही

मुंबई (ईएमएस)। टीवी अभिनेत्री हिना खान और मशहूर निर्माता राजन शाही की एक तस्वीर इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। दिवाली पार्टी के दौरान दोनों एक ही फ्रेम में नजर आए और साथ में कैमरे के लिए पोज भी दिए। लंबे समय बाद दोनों को इस तरह साथ देखकर प्रशंसक हैरान हैं। तस्वीर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर सवाल उठने लगे हैं कि क्या दोनों के बीच सालों से चली आ रही नाराजगी अब खत्म हो गई है? यह तस्वीर राजन शाही की बेटी इशिका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की है। इसमें हिना खान और राजन शाही के साथ कई अन्य लोग भी दिखाई दे रहे हैं। दोनों के एक साथ नजर आने पर कुछ प्रशंसकों ने खुशी जताई, जबकि कई लोग उनके रिश्तों में सुधार को लेकर सवाल पूछ रहे हैं। हालांकि, इस मुलाकात को लेकर अभी तक हिना या राजन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हिना खान और राजन शाही के बीच पुराने मतभेदों की चर्चा काफी



समय से होती रही है। हिना ने राजन शाही के लोकप्रिय धारावाहिक 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अक्षरा का मुख्य किरदार निभाया था। करीब आठ साल तक इस शो का हिस्सा रहने के दौरान उन्होंने घर-घर में पहचान बनाई। बाद में हिना ने अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए शो छोड़ने का फैसला किया था। वर्ष 2024 में एक इंटरव्यू के दौरान हिना ने शो छोड़ने के अनुभव पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि वह शो के निर्माताओं का सम्मान करती हैं, लेकिन उनका शो से अलग होना अच्छे माहौल में नहीं हुआ था। उनके इस बयान के बाद पुराने विवाद ने फिर सुर्खियां बटोरी थीं। दूसरी ओर, राजन शाही ने भी एक इंटरव्यू में हिना के साथ हुए विवाद पर अपनी बात रखी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि हिना शो की स्क्रिप्ट में काफी दखल देती थीं, जिससे सेट पर परेशानियां होती थीं। राजन के मुताबिक, एक बार हिना ने शिवांगी जोशी के किरदार नायरा के समर्थन में कुछ संवाद बोलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद मेकर्स ने उनका कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया था और उन्हें सेट छोड़ने के लिए कहा गया था। अब दिवाली पार्टी की तस्वीर ने दोनों के पुराने विवाद को फिर चर्चा में ला दिया है। हालांकि, साथ में तस्वीर खिंचवाने से यह स्पष्ट नहीं होता कि उनके बीच मतभेद पूरी तरह खत्म हो गए हैं।





संस्कारधानी अब स्वच्छता की नगरी, नंबर-1 बनने का संकल्प लें सफाई मित्र: मुख्यमंत्री



जबलपुर, यशभारत। जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर संस्कारधानी पधारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का डुमना एयरपोर्ट पर आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात उन्होंने अधारताल स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। वहां से मुख्यमंत्री नगर निगम द्वारा मानस भवन में आयोजित स्वच्छता कर्मियों के सम्मान समारोह में शामिल हुए।



प्रथम पेज का शेष

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संगमरमर की यह नगरी अब स्वच्छता की नगरी बन गई है और देश को यहीं से स्वच्छता की नई मिसाल मिलेगी। उन्होंने कहा कि शीतला माता स्वच्छता की देवी हैं और हमारे देवी-देवता भी स्वच्छता के साथ जीने की प्रेरणा देते हैं। स्वच्छता सर्वेक्षण की 27 श्रेणियों में से 9 में मध्यप्रदेश को मिला सम्मान सफाई मित्रों की दिन-रात की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सफाई मित्रों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है और वे सदैव उनके साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री ने जबलपुर को 182 सीएनजी वाहन देने की घोषणा करते हुए सभी से देश में नंबर वन आने का संकल्प लेने का आह्वान किया। साथ ही, जबलपुर-इंदौर औद्योगिक कॉरिडोर को शहर के विकास के लिए मील का पत्थर बताया। इससे पूर्व महापौर जगत बहादुर सिंह ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में जबलपुर ने विकास की अकल्पनीय प्रगति की है और देश में दूसरा स्थान प्राप्त कर गौरव बढ़ाया है। कोरोना काल में भी सफाई मित्रों ने योद्धा की तरह तैनात रहकर शहर की रक्षा की। मानस भवन के कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री गैरिसन ग्राउंड में आयोजित मुख्य जनजाति गौरव दिवस समारोह में शामिल होने के लिए रवाना हुए, जहां बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग उपस्थित हैं।

ओएफके में कर्मी की अंगुली कटी

अवकाश के दिन ऑफ बेसिस पर कर रहा था काम

जबलपुर, यश भारत। आयुध निर्माणी खमरिया के ए-4 अनुभाग में आज सुबह एक कर्मचारी की उँगली बुरी तरह दब कर कट गई, जिसे घायल अवस्था में निजी अस्पताल भेज दिया गया है। जहां उसका उपचार किया जा रहा है।



सूत्रों से मिली सूचना के अनुसार आज छठ के कारण ऑर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया में अवकाश था, लेकिन कुछ कर्मचारियों को ऑफबेसिस पर ड्यूटी पर लगाया गया था। ए-4 अनुभाग में भी मैकेनिकल मशीन पर कम्पोनेन्ट की प्रेसिंग (फार्मिंग) का काम चल रहा था। सुबह करीब 10 बजे जब तेजभान शाह काम पर जुटे थे तभी उनके बाएं हाथ की रिंग फिंगर मशीन के नीचे आ गई। बटन दबने के कारण उँगली का अगला हिस्सा कट गया। मौके पर मौजूद साथियों एवं स्टॉफ ने उन्हें लहुलुहान अवस्था में तत्काल फैक्ट्री डिस्पेंसरी भेजा। वहां खून बहना रोकने जैसा प्राथमिक उपचार दिया गया। तदोपरांत उन्हें मार्बल सिटी अस्पताल के लिये रिफर कर दिया गया, जहां चन्द्रभान की हालत स्थिर बताई गई है। घटना के बाद सभी जिम्मेदार अधिकारी अस्पताल पहुंच गये थे। निर्माणी के कर्मचारियों के अनुसार इस अनुभाग में पूर्व में भी कई कर्मचारियों की अंगुली कट चुकी है, जिसके लिए पुरानी मशीनों का होना मुख्यतः जिम्मेदार है।

ग्लब्स के फंसने से हुआ हादसा

घायल कर्मचारी ने अपने बयान में बताया कि वह सुरक्षा की दृष्टि से ग्लब्स पहन कर काम कर रहा था लेकिन ग्लब्स का रुआ फंसने से वह समय पर हाथ नहीं हटा पाया। जिस कारण दुर्घटना घटी।

महिला के गले से मंगलसूत्र छीनकर बदमाश फरार

जबलपुर,यशभारत। शहर में बाइक सवार लुटेरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। विजय नगर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े पल्सर सवार दो बदमाशों ने एक महिला को निशाना बनाकर उसके गले से मंगलसूत्र झपट लिया और मौके से फरार हो गए। महिला ने लूट का विरोध करते हुए मंगलसूत्र बचाने की कोशिश की, लेकिन बदमाश उसका अधिकांश हिस्सा लेकर भागने में सफल रहे। पुलिस के अनुसार ग्रीन सिटी ड्रीमलैंड, गजानन परिसर निवासी 53 वर्षीय ज्योति चिंचोलकर व्यवसाय करती हैं। 12 नवंबर को दोपहर करीब 1:45 बजे वह अपनी एक्टिवा से पोस्ट ऑफिस कलेक्शन के लिए एसबीआई चौक जा रही थीं। इसी दौरान वत्सला पैराडाइज के पहले थायरोकेयर वाली गली में सामने से आए पल्सर सवार दो युवकों ने उन्हें निशाना बनाया। बदमाशों ने महिला को डराकर गले से मंगलसूत्र खींच लिया। बाइक चला रहे युवक ने हेलमेट पहन रखा था, जबकि पीछे बैठे बदमाश ने कपड़े से चेहरा ढक रखा था। झपटमारी के दौरान मंगलसूत्र का पिछला हिस्सा महिला के गले में ही रह गया, जबकि दो कटोरी वाले लॉकेट और आधी चेन सहित बाकी हिस्सा बदमाश ले गए।

शराबखोरी के लिए गुंडागर्दी

रुपए मांगकर चालक को पीटा

जबलपुर,यशभारत। शराब पीने के लिए रुपए देने से इनकार करना एक ई-रिक्शा चालक को भारी पड़ गया। आगा चौक उजारपुरवा क्षेत्र में तीन युवकों ने उससे 500 रुपए मांगे। रकम देने से मना करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। एक युवक ने डंडे से हमला कर चालक का हाथ घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार आगा चौक उजारपुरवा निवासी 30 वर्षीय मनोज साहू ई-रिक्शा चलाता है। 10 नवंबर की रात करीब 8 बजे काम खत्म कर घर लौटते समय उसे क्षेत्र के आसू बेन, गन्नू बेन और सेजल बेन मिल गए। तीनों ने शराब पीने के लिए 500 रुपए मांगे। मनोज के इनकार करते ही तीनों ने उसके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान आसू बेन ने डंडे से हमला कर उसके बाएं हाथ में चोट पहुंचा दी। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। पीड़ित की शिकायत पर लार्डगंज पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफबीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।





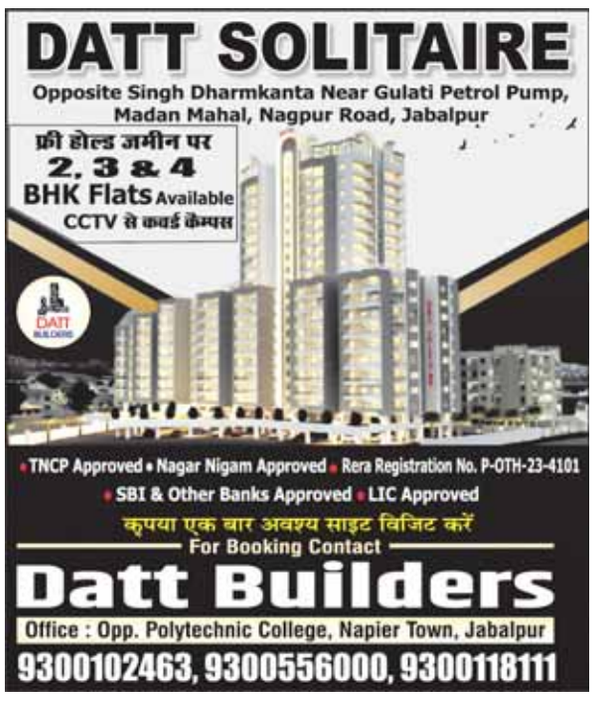
















स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम विवेकानंद वार्ड जबलपुर से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक प्रवीण अग्रहरि, संपादक अम्बरीष तिवारी*, सलाहकार संपादक श्याम कटारे
RNI No. MPHIN/2007/18675। फोन-2643333 email - jabalpuryashbharat@gmail.com। (*पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)